दिल्ली के भाजपा नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा को गिरफ्तार कर लिया गया था। पंजाब पुलिस उन्हें दिल्ली से पंजाब लेकर जा रही थी। कुरुक्षेत्र में हरियाणा पुलिस ने पंजाब पुलिस की गाड़ी को रोक लिया। अब दिल्ली पुलिस की टीम तजिंदर को ले गई।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 143 दिनांक: 07-05-2022 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

चार धाम की यात्रा की शुरूआत 3 मई से हो चुकी है। जिसमे पहले दिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खोले गए थे। वहीं, जिसके बाद आज केदारनाथ धाम के कपाट खोले गये है।

कोरोना ने फिर बढ़ाई रफ्तार, 24 घंटे में मिले 3545 नए संक्रमित, 27 की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कमजोर पड़ने के बाद कोरोना वायरस फिर हमलावर है उसकी संक्रमण की रफ्तार फिर से बढ़ने लगी है। बीते 24 घंटे के दौरान देश भर में कोरोना के 3545 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में 27 कोरोना संक्रमितों की मौत हो गई है। मौत के इन नए आंकड़ों के साथ ही देश में कोरोना के चलते अब तक 5 लाख 24 हजार 2 संक्रमितों की मौत हो चुकी है। वहीं नए संक्रमित मिलने के बाद देश में एक्टिव कोरोना संक्रमितों की संख्या 19 हजार 688 हो गई है। इसके अलावा पिछले 24 घंटे में 3549 कोरोना संक्रमित ठीक हुए है। इसके साथ देश में कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की संख्या 4 करोड़ 25 लाख 51 हजार 248 हो गई है। देश में इस वक्त रिकवरी रेट 98.74 फीसदी है। वहीं पिछले 24 घंटे में 16 लाख 59 हजार 843 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इसके साथ ही देश में वैक्सीनेशन की संख्या 1,89,81,52,695 हो गई है।

वहीं बीते गुरुवार को सरकार की तरफ से जारी किये गए आंकड़ों के मुताबिक 3275 नए मरीज मिले थे। जबकि इस दौरान 55 मरीज़ों की मौत हो गई थी। गुरुवार को बुधवार के मुकाबले कोरोना के मामले 2.2 फीसदी ज्यादा हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में कोरोना तेजी से पांव पसार रहा है। पिछले 24 घंटे में यूपी में 361 कोरोना संक्रमित मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोरोना के सबसे अधिक मामले दिल्ली में सामने आए थे। दिल्ली में 1354 नए संक्रमित मिले थे, हरियाणा में 571, केरल में 386, उत्तर प्रदेश में 198, महाराष्ट्र में 188 संक्रमित मिले थे। वहीं गुरुवार को जारी किए आंकड़ों के मुताबिक रिकवरी रेट 98.74 फीसदी थी। वहीं 3010 लोग कोरोना से ठीक हुए थे। इसके अलावा पिछले 24 घंटे में 3 लाख 27 हजार टेस्ट किये गए थे।

अध्ययन में पाया गया कि जहां कोविड के मरीज मौजूद थे वहां के इर्द गिर्द की हवा में वायरस मिल सकता है, यही नहीं जहां मरीज मौजूद थे वहां का पॉजिटिविटी रेट भी ज्यादा था। अध्ययन से यह बात भी सामने आई कि वायरस अस्पताल के आईसीयू और गैर-आईसीयू वॉर्ड में मौजूद था, जिससे यह पता चलता है कि मरीज ने हवा में वायरस छोड़ दिया था। अध्ययन में पाया गया कि हवा में जीवित वायरस था जो किसी भी जीवित कोशिका को संक्रमित कर सकता था और यह लंबी दूरी तक फैल सकता था

लाउडस्पीकर पर अजान मौलिक अधिकार नहीं-इलाहाबाद हाई कोर्ट

प्रयागराज (ईएमएस)। एक ओर देशभर में लाउडस्पीकर इन दिनों बहस का मुद्दा बना हुआ और उप्र में बकायदा बिना किसी भेदभाव के धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर या तो उतार दिए गए हैं या फिर उनकी आवाज को कम कर दिया गया है। इस बीच इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि लाउडस्पीकर पर अजान मौलिक अधिकार नहीं है। इस अहम टिप्पणी के साथ कोर्ट ने बदायूं के एक मौलवी की ओर से दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है।

बदायूं की नूरी मस्जिद के मुतवल्ली इरफान की ओर से दायर याचिका को जस्टिस विवेक कुमार बिरला और जस्टिस विकास बधवार की बेंच ने खारिज कर दिया है। इरफान ने अजान के लिए लाउडस्पीकर लगाने की इजाजत मांगते हुए एसडीएम तेहसील बिसौली को आवेदन दिया था। एसडीएम की ओर से इसे खारिज करने के बाद इरफान ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इरफान ने कोर्ट से मांग की थी कि सरकार और प्रशासन को मस्जिद में लाउडस्पीकर-माइक लगाने की इजाजत देने का निर्देश दिया जाए। उसने यह भी दलील दी कि एसडीएम का फैसला अवैध है और उसके मौलिक अधिकारों का हनन है। कोर्ट ने इरफान की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि कानून तय हो चुका है कि मस्जिद पर लाउडस्पीकर का इस्तेमाल मौलिक अधिकार नहीं है। कोर्ट ने इरफान के तर्कों को अस्वीकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

डब्ल्यूएचओ की तरह कांग्रेस को भी नहीं है सरकारी आंकड़ों पर भरोसा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने कहा कि कोरोना के कारण देश में मारे गये लोगों के बारे में सरकार ने गलत आंकड़ा देकर दुनिया के सामने भारत की छवि को खराब किया है। पार्टी ने सरकार से अपनी गलती स्वीकार करते हुए इस संबंध में सही आंकड़ा देने के लिए सर्वदलीय आयोग का गठन करने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) तथा अन्य एजेंसियों ने कहा है कि भारत ने कोरोना से हुई मौतों का गलत आंकड़ा दिया है और भारत दुनिया में दूसरा देश है जिसने कोरोना मृतकों का सही आंकड़ा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ कहता है कि कोरोना के कारण 2020-2021 के दौरान दुनिया में डेढ़ करोड़ लोगों की मौत हुई है। इस दौरान दुनिया में कोरोना के कारण मरने वाला हर तीसरा आदमी भारत में मर रहा था। भारत सरकार कहती है कि एक जनवरी 2020 से 31 दिसम्बर 2021 के बीच कोरोना के कारण देश में 5.24 लाख लोग मारे गये हैं जबकि डब्ल्यूएचओ का कहना है कि इस अवधि में भारत में 47 लाख लोग मारे गये थे। प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ के आंकड़े को नकारते हुए कहा कि वह गलत आंकड़ा दे रहा है और भारत सरकार ने जो आंकडा दिया है वह सही है। डब्ल्यूएचओ कहता है कि भारत सरकार ने जो डाटा दिया है वह वास्तविकता से 10 गुना कम है। सरकार यदि डब्ल्यूएचओ तथा अन्य एजेंसियों के डाटा को नहीं मानती है तो उसे इसका कारण बताना चाहिए और तार्किक रूप से कहना चाहिए कि उसका डाटा गलत क्यों है। उनका कहना था कि डब्ल्यूएचओ के डाटा को तर्कों के आधार पर नकारा जा सकता है। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी कोरोना से मरे लोगों की संख्या को लेकर सरकार पर हमला करते हुए उसके आंकड़े पर सवाल उठाए और कहा कि वज्ञिान झूठ नहीं बोलता, इसलिए सरकार को सही आंकड़ा देना चाहिए।

आज देश प्रतिभा, कारोबार और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित कर रहा है: पीएम मोदी

- पीएम ने 'जीतो कनेक्ट 2022' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन के 'जीतो कनेक्ट 2022' के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम की थीम में 'सबका प्रयास' की भावना का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत के विकास के संकल्पों को दुनिया अपने लक्ष्यों की प्राप्ति का माध्यम मान रही है। वैश्विक शांति हो, वैश्विक समृद्धि हो, वैश्विक चुनौतियों से संबंधित समाधान हों या वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का सशक्तिकरण हो, दुनिया भारत की तरफ बड़े भरोसे से देख रही है। उन्होंने कहा, ठमैं कई यूरोपीय देशों को 'अमृत काल' के लिए भारत के संकल्प के बारे में जानकारी देने के बाद अभी-अभी वापस आया हूँठ

प्रधानमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञता का क्षेत्र, कार्य क्षेत्र चाहे जो भी हो, विचारों में चाहे जितनी भी भिन्नता हो, लेकिन नए भारत का उदय सभी को जोड़ता है। आज सभी को लगता है कि भारत अब 'संभावना और क्षमता' से आगे बढ़कर वैश्विक कल्याण के एक बड़े उद्देश्य के लिए कार्य कर रहा है। सही उद्देश्य, स्पष्ट इरादा और अनुकूल नीतियों से जुड़ी अपनी बातों को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि आज देश; जितना संभव हो सकता है; प्रतिभा, कारोबार और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश प्रतिदिन दर्जनों स्टार्टअप का पंजीकरण कर रहा है, प्रति सप्ताह एक यूनिकॉर्न बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से सरकारी ई-मार्केटप्लेस यानी जीईएम पोर्टल अस्तित्व में आया है, सारी खरीद सबके सामने एक प्लेटफॉर्म पर होती है। अब दूरदराज के गांवों के लोग, छोटे दुकानदार और स्वयं सहायता समूह अपने उत्पाद सीधे सरकार को बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज जीईएम पोर्टल पर 40 लाख से अधिक विक्रेता जुड़ चुके हैं। उन्होंने पारदर्शी 'फेसलेस' टैक्स निर्धारण, एक राष्ट्र-एक टैक्स, उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य का हमारा रास्ता और मंजिल दोनों स्पष्ट हैं। ''आत्मनिर्भर भारत हमारा रास्ता भी है और संकल्प भी। बीते सालों में हमने इसके लिए हर ज़रूरी माहौल बनाने में निरंतर परिश्रम किया है।''

केंद्र सरकार को लाउडस्पीकर के उपयोग पर एक नीति बनानी चाहिए - महाराष्ट्र के गृह मंत्री ने कहा

मुम्बई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा है कि केंद्र सरकार को लाउडस्पीकर के उपयोग पर एक नीति बनानी चाहिए. मस्जिदों में लाउडस्पीकर के उपयोग को लेकर उठे विवाद के बीच राज्य में शांति बनाए रखने के लिए सरकार का सहयोग करने के लिए पाटिल ने मुसलमानों और हिंदुओं का आभार भी जताया.

दरअसल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने राज्य सरकार को तीन मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का अल्टीमेटम दिया था. राज ठाकरे ने अजान के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग किए जाने के विरोध में लोगों से हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान किया था.

महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में भाग लेने के बाद पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, ठकेंद्र को पूरे देश के लिए (लाउडस्पीकर पर) एक नीति बनानी चाहिए. हालांकि, मैं हिंदू और मुस्लिम समुदाय का धन्यवाद करूंगा कि उनके सहयोग के चलते राज्य में कानून-व्यवस्था बरकरार रही और इस मुद्दे से शांतिपूर्वक तरीके से निपटा जा सका.

ओडिशा तट पर अगले सप्ताह की शुरुआत तक पहुंचेगा चक्रवाती तूफान

भुवनेश्वर (ईएमएस)। दक्षिणी अंडमान सागर के ऊपर निम्न दाब का क्षेत्र बनने से चक्रवाती तूफान आने के आसार हैं। इस तूफान के आंधप्रदेश और ओडिशा तट पर अगले सप्ताह की शुरुआत तक पहुंचने की आशंका है, जिसके मद्देनजर ओडिशा में चेतावनी जारी की गई है। इस समुद्री तूफान के आने से पूर्वी तटीय राज्यों में भारी बारिश होगी। मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा कि दक्षिण अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ सकता है।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने के आसार हैं, जिससे बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य में एक चक्रवाती तूफान उत्पन्न होगा। उन्होंने कहा कि इसके 10 मई को तट पर पहुंचने की आशंका है। महापात्र ने कहा कि अभी तक कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया गया है कि यह कहां सबसे पहले आयेगा।

महापात्र ने कहा, ''जब समुद्री तूफान तट के पास पहुंचता है, तो हम कह सकते हैं कि यह कहां टकराएगा। नौ मई से समुद्र की स्थिति खराब हो सकती है, इसलिए मछुआरों को बाहर नहीं जाना चाहिए।'' उन्होंने बताया कि अनुमान के मुताबिक चक्रवाती तूफान की गति समुद्र में 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी।

मौसम कार्यालय ने चक्रवाती तूफान की आशंका को देखते हुए अगले सप्ताह मंगलवार से शुक्रवार के बीच गंगा नदी के क्षत्र में आने वाले पश्चिम बंगाल के जिलों में बिजली गिरने और भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही हुआ पहला रूद्राभिषेक, लोककल्याण के लिए

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के कपाट छह माह बंद रहने के बाद शुक्रवार को श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोला गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने कहा कि आज बाबा केदारनाथ के कपाट खुल गए हैं, देशभर से श्रद्धालु वहां पहुंचे हैं, मैंने भी बाबा के दर्शन किए। बाबा से प्रार्थना की है कि 2 वर्ष बाद चारधाम यात्रा शुरू हुई है, सभी की यात्रा सरल, सुगम और सुरक्षित हो। सभी की मनोकामना पूरी हो। जब मंदिर का कपाट खुला, तब हजारों भक्तों के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी की मौजूदगी में पहला रूद्राभिषेक लोककल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से हुआ।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा केदार का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। प्रथम चरम का कार्य पूरा हो गया है, हम कोशिश कर रहे हैं कि दूसरे चरण का कार्य भी जल्द पूरा हो और बाबा केदार का नया स्वरूप दिव्य केदार और भव्य केदार के रूप में आए। बता दें कि 'बम-बम भोले' और 'बाबा केदार की जय' के उद्घोष के साथ वृष लग्न में सुबह 06.25 बजे विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच केदारनाथ मंदिर का मुख्य द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। इस मौके पर मंदिर को भव्य रूप से नौ क्विंटल फूलों से सजाया गया था।

श्रीलंका में एक बार फिर लागू किया गया आपातकाल, सरकार विरोधी प्रदर्शनों से निपटने के लिए राष्ट्रपति ने की घोषणा

कोलंबो, श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों से निपटने के लिए पांच सप्ताह में दूसरी बार सुरक्षा बलों को व्यापक अधिकार देते हुए शुक्रवार को आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने कहा कि बिगड़ते आर्थिक संकट पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर ट्रेड यूनियनों द्वारा शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल करने के बाद उन्होंने सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानूनों का आह्वान किया है।

इससे पहले शुक्रवार को, पुलिस ने राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रीय संसद में धावा बोलने की कोशिश कर रहे छात्रों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। बता दें आपातकाल सुरक्षा बलों को न्यायिक पर्यवेक्षण के बिना लंबी अवधि के लिए संदिग्धों को गिरफ्तार करने और हिरासत में रखने के लिए व्यापक अधिकार देता है। यह पुलिस के अलावा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैनिकों की तैनाती की भी अनुमति देता है। राष्ट्रपति के प्रवक्ता के मुताबिक आवश्यक सेवाओं और सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन नियमों को लागू करने के लिए राष्ट्रपति ने अपनी कार्यकारी शक्तियों का उपयोग किया है। देशव्यापी आपातकाल शुक्रवार मध्यरात्रि से लागू होगा।

गौरतलब है कि बीते दिनों राजधानी में हजारों प्रदर्शनकारियों द्वारा राष्ट्रपति आवास पर धावा बोलने के प्रयास के एक दिन बाद, संकटग्रस्त राजपक्षे ने एक अप्रैल को आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी थी। जिसके बाद उस आपातकाल को 14 अप्रैल को समाप्त कर दिया गया था। लेकिन उसके बाद से देश भर में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। नए आपातकाल की घोषणा उस वक्त हुई है जब हजारों का तादाद में प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति कार्यालय के बाहर नौ अप्रैल से विरोध कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने प्रमुख सरकारी राजनेताओं के घरों में धावा बोलने की कोशिश की। वहीं सत्ताधारी पार्टी के सभी विधायकों की सुरक्षा के लिए बड़ी तादाद में पुलिस बल तैनात किया गया है। अनुमान है कि करीब 85 हजार पुलिस बलों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों से निपटने के लिए पांच सप्ताह में दूसरी बार सुरक्षा बलों को व्यापक अधिकार देते हुए शुक्रवार को आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। श्रीलंका इस वक्त गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे-वीडियोग्राफी करने पहुंची टीम के खिलाफ लगाए गए नारेबाजी

वाराणसी (ईएमएस)। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम ज्ञानवापी स्थित श्रृंगार गौरी और अन्य देव विग्रहों की वीडियोग्राफी और सर्वे का काम करने के लिए जब शुक्रवार को टीम पहुंची तो मौके पर मौजूद समुदाय विशेष के लोगों ने जमकर नारेबाजी की। दरअसल कोर्ट के आदेश पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम ज्ञानवापी स्थित शृंगार गौरी और अन्य देव विग्रहों की वीडियोग्राफी और सर्वे का काम आज होना था। इस दौरान एक पक्ष की ओर से हो रही नारेबाजी के बाद दूसरी पक्ष की तरफ से भी नारेबाजी होने लगी। पुलिस ने किसी तरह दोनों तरफ के लोगों को समझाया और सड़क से गलियों की ओर दाखिल कराया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर रखी जा रही है।

सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत से नियुक्त कोर्ट कमिश्नर वरिष्ठ अधिवक्ता अजय कुमार मिश्र सर्वे करने पहुंचे। सर्वे से पहले दोनों पक्ष मस्जिद से कुछ दूर स्थित चौक थाने पर वाहन से पहुंचे। वहां से सर्वे के लिए टीम पहुंची। सर्वेक्षण टीम में पक्ष और विपक्ष के 30 से ज्यादा लोग शामिल हैं। इस कार्यवाही के मद्देनजर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। उधर, वीडियोग्राफी और साक्ष्य आदि के संबंध में सुरक्षित स्थान अधिवक्ता आयुक्त को पुलिस उपलब्ध करवाएगी। साथ ही अधिवक्ता आयुक्त नियमानुसार कमीशन कार्यवाही करेंगे और अपनी रिपोर्ट तय तिथि 10 मई को कोर्ट में दाखिल करेंगे।

कांग्रेस में मिलेगा दलित ओबीसी और अल्पसंख्यकों को कोटा

नई दिल्ली (ईएमएस)। [illegible] प्रदेश, पंजाब समेत 5 राज्यों के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस अब इमेज मेकओवर के लिए बड़ी तैयारी कर रही है। इसकी शुरुआत इसी महीने उदयपुर में 13 से 15 तारीख तक होने वाले चिंतन शिविर से हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेताओं का एक धड़ा इस शिविर में ओबीसी, दलित एवं अल्पसंख्यक वर्गों के लिए पार्टी में 50 फीसदी आरक्षण की मांग कर सकता है। पार्टी को इससे इन वर्गों तक पहुंच बना पाने की उम्मीद है। इसके अलावा नैरेटिव के स्तर पर भी पार्टी को मजबूती मिल सकती है। खबर है कि बैठक में ओबीसी, अल्पसंख्यक समेत कई वर्गों के नेता पार्टी में मजबूती के साथ 50 फीसदी आरक्षण की मांग रखने जा रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई भी नेता इस मांग को लेकर खुलकर सामने नहीं आया है। माना जा रहा है कि आरक्षण को लेकर पार्टी में आंतरिक तनाव हो सकता है। फिलहाल, कांग्रेस में बड़े स्तर पर इस [illegible] को लेकर चर्चा जारी है। अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक नेता संगठन में 50 फीसदी आरक्षण की तैयारी कर रहे हैं। खास बात है कि 13 से 15 मार्च के बीच होने जा रहे चिंतन शिविर के लिए पार्टी ने 6 समितियां गठित की हैं। इनमें से एक सामिति सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण को लेकर भी है, जो इस समूह के मुद्दों पर बात करेगी।

बीकानेर में 47 डिग्री पहुंचा पारा

- पश्चिमी राजस्थान के सभी जिले गर्मी और लू की चपेट में

बीकानेर (ईएमएस)। राजस्थान के बीकानेर से एक वीडियो वायरल हुआ है। जहां पर भारत- पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने तपती रेत पर पापड़ सेका। दो जवानों ने कच्चे पापड़ को गर्म रेत में 10 मिनट के लिए दबाकर रख दिया, कुछ देर बाद जब नीचे से निकाला तो पापड़ पूरी तरह सिक चुके थे। इसका वीडियो वायरल हो गया। वीडियो के जरिए जवानों ने इस चिलचिलाती गर्मी से कुछ राहत पाने के लिए लोगों से संसाधन जुटाने की अपील भी की है, जिससे वो खुद को इस भयंकर गर्मी से बचा सकें। गौरतलब है ?कि भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के लिए तैनात बीएसएफ के जवानों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए वॉच टावर्स पर पहली बार कूलर लगाए जा रहे हैं। पश्चिमी राजस्थान के सभी जिले गर्मी और लू की चपेट में हैं बीकानेर में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है।

राहुल गांधी ने कहा - आज तेलंगाना में कहा जाता है कि चीफ मिनिस्टर है, मगर ये चीफ मिनिस्टर नहीं हैं, बल्कि राजा हैं

वारंगल (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आज तेलंगाना में कहा जाता है कि चीफ मिनिस्टर है, मगर ये चीफ मिनिस्टर नहीं हैं, बल्कि राजा हैं। राजा और मुख्यमंत्री में क्या फर्क होता है। राजा जनता की आवाज नहीं सुनता है, मुख्यमंत्री जनता की आवाज सुनता है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को तेलंगाना के वारंगल में एक जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि चुनावों में कांग्रेस पार्टी योग्यता के आधार पर टिकट देगी। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने ताकतवर या कितने बड़े हैं। अगर आप गरीबों, किसानों के साथ नहीं हैं तो आपको कांग्रेस का टिकट नहीं मिलेगा।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि तेलंगाना के सपने को पूरा करने के लिए लोगों ने अपना खून और आंसू बहाए और इस सपने के लिए जंग लड़ी। हम भी आपके साथ खड़े थे। कांग्रेस पार्टी और सोनिया गांधी ने यह जानते हुए भी कि हमें इसका नुकसान होगा, यहां के लोगों को एक नया राज्य दिया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में किसानों की विधवाएं रो रही हैं। ऐसी हजारों महिलाएं हैं जिनके पतियों ने आत्महत्या कर ली है, यह किसकी जिम्मेदारी है? गांधी ने कहा कि हम चुनावों में टीआरएस को बाहर का रास्ता दिखाएंगे। कांग्रेस और टीआरएस के बीच सीधी जंग होगी।

'सरकार बनी तो किसानों का दो लाख तक का कर्ज माफ करेंगे'

कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस व्यक्ति ने तेलंगाना के स्वप्न को बर्बाद कर दिया, युवाओं और गरीबों से लाखों-करोड़ों रुपये लूटे, उसे हम माफ नहीं करेंगे। तेलंगाना के किसानों को डरने की जरूरत नहीं है। हमारी सरकार बनते ही उनका दो लाख रुपये तक का कृषि कर्ज माफ किया जाएगा।

इसके साथ ही राहुल गांधी ने तेलंगाना के किसानों के लिए सही एमएसपी (न्यूनतन समर्थन मूल्य) लागू करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के कुछ समय के अंदर ही इस काम को पूरा किया जाएगा। आपके मुख्यमंत्री (के चंद्रशेखर राव) किसानों की बात नहीं सुनते। वह दो-तीन पूंजीपतियों के लिए काम करते हैं।

तेज रफ्तार इनोवा पेड़ से भिड़ी, छह की मौत, पांच घायल

रामपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के अजीम नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गयी, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि मुरादाबाद की ओर से तेज रफ्तार से आ रही इनोवा कार अजीम नगर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर पहले बिजली के खंभे से भिड़ी और फिर पेड़ से जा टकराई। उन्होंने बताया कि गाड़ी में 11 लोग सवार थे। छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोगों की हालत गंभीर बतायी जा रही है, जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे में एक बच्चा सुरक्षित बच गया है। ये लोग मुरादाबाद जिले के निवासी हैं और एक शादी समारोह में शामिल होने रामपुर आ रहे थे। सभी लोग मुरादाबाद के थाना दिलारी इलाके के एक ही गांव रहटा माफी के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में विनीत (30), राजेश (45), ऋषभ (28), आकाश सक्सेना (29), विवेक चौहान (20), सौरभ (31) शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कुमार ने बताया कि मृतकों के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

देश में आबादी बढ़ने की रफ्तार में बड़ी कमी प्रजनन दर 2.2 से घटकर 2.0 हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की कुल प्रजनन दर 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर की रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। यह जनसंख्या नियंत्रण उपायों की अहम प्रगति को दर्शाता है। कुल प्रजनन दर को प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या के रूप में मापा जाता है, जो राष्ट्रीय स्तर पर एनएफएचएस-4 और 5 के बीच 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। देश में केवल पांच राज्य हैं, जो 2.1 के प्रजनन क्षमता के रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। इनमें बिहार (2.98), मेघालय (2.91), उत्तर प्रदेश (2.35), झारखंड (2.26) और मणिपुर (2.17) शामिल हैं। एनएफएचएस-5 सर्वे में देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 707 जिलों (मार्च, 2017 तक) के लगभग 6.37 लाख सैंपल परिवारों से लिए गए हैं। इसमें 7,24,115 महिलाओं और 1,01,839 पुरुषों को शामिल किया गया था। समग्र गर्भनिरोधक प्रसार दर (सीपीआर) देश में 54 प्रतिशत से बढ़कर 67 प्रतिशत हो गई है। गर्भनिरोधकों के आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल भी लगभग सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में बढ़ गया है। परिवार नियोजन की अधूरी जरूरतों में 13 प्रतिशत से 9 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है। एनएफएचएस-5 ने यह भी उल्लेख किया है कि संस्थागत जन्म भारत में 79 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गए हैं। यहां तक कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगभग 87 प्रतिशत जन्म संस्थानों में दिया जाता है और शहरी क्षेत्रों में यह 94 प्रतिशत है। अरुणाचल प्रदेश में संस्थागत जन्म में अधिकतम 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके बाद असम, बिहार, मेघालय, छत्तीसगढ़, नागालैंड, मणिपुर, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। पिछले 5 वर्षों में 91 प्रतिशत से अधिक जिलों में 70 प्रतिशत से अधिक जन्म स्वास्थ्य सुविधाओं में हुए हैं।

कार्टून कोना

पानी की किल्लत

पंजाब पुलिस ने बग्गा को उनके घर से गिरफ्तार किया, पंजाब ले जा रहे काफिले को हरियाणा में रोका गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब पुलिस ने दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता तजिंदर पाल सिंह बग्गा को उनके घर से गिरफ्तार किया। इसके बाद केस में उस समय नया मोड़ आया जब बग्गा को पंजाब ले जा रहे काफिले को हरियाणा में रोक दिया गया। दिल्ली पुलिस के द्वारा किडनैपिंग का एक केस दर्ज करने के बाद ऐसा किया गया है।

बता दें कि बग्गा की गिरफ्तारी पर बीजेपी भड़की ही, साथ ही आप के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास ने भी मुख्यमंत्री भगवंत मान की नसीहतें दी हैंइसके पहले कुमार विश्वास के घर भी पंजाब पुलिस पहुंची थी। उनके खिलाफ भी पंजाब में मामला दर्ज है। पंजाब पुलिस द्वारा भाजपा नेता बग्गा की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है। बग्गा को ले जा रही पंजाब पुलिस की गाड़ियों को हरियाणा में रोका गया है। हरियाणा पुलिस के मुताबिक, कुरुक्षेत्र में पंजाब पुलिस से पूछताछ की जा रही है। दिल्ली पुलिस के कहने पर गाड़ी रोकी गई है। कुमार विश्वास ने कहा, 'प्रिय छोटे भाई मान खुद्दार पंजाब ने 300 साल में दिल्ली के किसी असुरक्षित तानाशाह को अपनी ताकत से कभी नहीं खेलने दिया। पंजाब ने तुम्हारी पगड़ी को ताज सौंपा है, किसी बौने दुर्योधन को नहीं। पंजाब के लोगों के टैक्स के पैसों व उनकी पुलिस का अपमान मत करो, पगड़ी सम्भाल जट्टा।'

इसके पहले पंजाब पुलिस ने बताया कि एक मई को थाना पंजाब स्टेट साइबर क्राइम, एसएएस नगर द्वारा बग्गा के खिलाफ हिंसा भड़काने, आपराधिक धमकी देने , सोशल मीडिया पर झूठे और सांप्रदायिक भड़काऊ बयान पोस्ट करने की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी को जांच में शामिल होने और आने के लिए पांच नोटिस दिए गए थे। नोटिस का विधिवत पालन किया गया, इसके बावजूद आरोपी जानबूझकर जांच में शामिल नहीं हुए। आज सुबह उचित कानून प्रक्रिया के बाद बग्गा को दिल्ली में उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली भाजपा के नेता बग्गा सोशल मीडिया पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ काफी मुखर रहे हैं। 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म को लेकर केजरीवाल के खिलाफ अपने ट्वीट के लिए दिल्ली और पंजाब दोनों में शासन कर रही 'आप' ने उन्हें निशाने पर लिया था।

पंजाब में रूपनगर के सदर थाने में 12 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया। कुमार विश्वास ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल पर अलगाववादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था। विश्वास ने पुलिस दल के उनके गाजियाबाद स्थित घर पहुंचने की जानकारी एक ट्वीट कर साझा की। उन्होंने चेतावनी दी थी कि आप संयोजक केजरीवाल एक दिन पंजाब के साथ धोखा करने वाले हैं। विश्वास ने कहा था, ''सुबह-सुबह पंजाब पुलिस द्वार पर पधारी है। एक समय, मेरे द्वारा ही पार्टी में शामिल कराए गए मान को आगाह कर रहा हूं कि तुम, दिल्ली में बैठे जिस आदमी को पंजाब के लोगों की दी हुई ताकत से खेलने दे रहे हो वहां एक दिन तुम्हें व पंजाब को भी धोखा देगा। देश मेरी चेतावनी याद रखे।''

जन हितैषी

जम्मू-कश्मीर में चुनाव

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव इसी साल गुजरात और हिमाचल प्रदेश के साथ अक्टूबर या नवंबर तक हो सकते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने फरवरी में कहा था कि परिसीमन की प्रक्रिया जल्द पूरी होने वाली है। अगले छह से आठ महीने में विधानसभा के चुनाव होंगे। इसमें किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं है। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव अमरनाथ यात्रा के बाद कराना ज्यादा मुफीद माना जा रहा है क्योंकि यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्रीय बल प्रदेश में मौजूद रहेंगे। चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त तामझाम नहीं करना होगा। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चुनाव से पहले विधानसभा सीटों का परिसीमन का काम भी पूरा हो चुका है। परिसीमन आयोग ने गुरुवार को एक मीटिंग की और फाइनल रिपोर्ट पर साइन कर दिया। इसमें निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या और उनके आकार का ब्योरा है। केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद चुनाव आयोग वोटर लिस्ट तैयार करने की कार्रवाई शुरू कर देगा। नई दिल्ली में जम्मू कश्मीर परिसीमन आयोग ने एक बैठक के बाद रिपोर्ट को जारी किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार आयोग के लिए छह मई 2022 तक अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा निर्धारित थी। इससे पहले आयोग की तरफ से मसौदा रिपोर्ट जारी कर जम्मू कश्मीर से सुझाव लिए गए थे। रिपोर्ट के जारी होने के साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया है। ऐसे में जम्मू कश्मीर में चुनाव का बिगुल भी जल्द ही सुनाई दिया जा सकता है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से यहां पर सात विधानसभा सीटों में बढ़ोतरी होगी।

रिपोर्ट में जम्मू संभाग में छह व कश्मीर संभाग में एक विधानसभा सीट को बढ़ाया गया है। पहली बार अनुसूचित जनजाति के लिए जम्मू कश्मीर में नौ विधानसभा सीटों को आरक्षित करने का प्रावधान किया जा रहा है, जबकि अनुसूचित जाति के लिए पहले की तरह ही सात विधानसभा सीटें आरक्षित रखी गई हैं। जम्मू कश्मीर की नई विधानसभा में कश्मीरी पंडितों और पीओजेके विस्थापितों को प्रतिनिधित्व मिल सकता है। जम्मू-कश्मीर की लोकसभा सीटों में भी परिसीमन आयोग ने फेरबदल किया है। अब कश्मीर व जम्मू दोनों संभागों के हिस्से ढाई-ढाई लोकसभा सीटें होंगी। पहले जम्मू संभाग में उधमपुर डोडा व जम्मू तथा कश्मीर में बारामुला, अनंतनाग व श्रीनगर की सीटें थीं। नई व्यवस्था के तहत अनंतनाग सीट को अब अनंतनाग-राजोरी पुंछ के नाम से जाना जाएगा यानी जम्मू सीट से दो जिले राजोरी व पुंछ निकालकर अनंतनाग में शामिल कर किए गए हैं। प्रत्येक लोकसभा सीट में 18 विधानसभा सीटें होंगी। उधमपुर सीट से रियासी जिले को निकालकर जम्मू में जोड़ा गया है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार विधानसभा की सात सीटें बढ़ाई जानी हैं। इससे विधानसभा में सदस्यों की संख्या 83 से बढ़कर 90 की जानी हैं। केंद्र शासित प्रदेश बनने से पहले विधानसभा में सीटों की संख्या 87 थी जिसमें चार सीटें लद्दाख की थीं। लद्दाख के अलग होने से 83 सीटें रह गईं, जो बढ़ने के बाद 90 हो जाएंगी। परिसीमन आयोग ने सात सीटों में एक सीट कश्मीर और छह सीटें जम्मू संभाग में बढ़ाई हैं। जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार परिसीमन 1995 में हुआ था। उस समय जम्मू-कश्मीर में 12 जिले और 58 तहसीलें हुआ करती थीं। वर्तमान में प्रदेश में 20 जिले हैं और 270 तहसील हैं।

पिछला परिसीमन 1981 की जनगणना के आधार पर हुआ था। इस बार परिसीमन आयोग ने 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन का काम किया है। जम्मू-कश्मीर में जून 2018 से कोई चुनी हुई सरकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस बात का वादा किया है कि चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर को राज्यों की तरह काम करने का मौका मिलेगा। यह पैनल सरकार ने मार्च 2020 में बनाया था। इसकी हेड सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना प्रकाश देसाई थीं। इसके अलावा चीफ इलेक्शन कमिश्नर सुशील चंद्रा और डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर चंदर भूषण कुमार इस पैनल में शामिल थे। केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म करने और जम्मू-कश्मीर राज्य पुनर्गठन के बाद परिसीमन आयोग बनाया था। आयोग ने नए मसौदे में कश्मीर संभाग के बारामूला, कुपवाड़ा, श्रीनगर, कुलगाम और अनंतनाग जिलों में बदलाव किया है। कुपवाड़ा एकमात्र ऐसा जिला है, जिसमें विधानसभा क्षेत्र जोड़ा गया है। केंद्र शासित प्रदेश का पिछला परिसीमन 1995 में हुआ था। जहां पैनल को अपनी रिपोर्ट देने में सात साल का समय लगा था। जबकि मौजूदा आयोग को कोरोना वायरस महामारी के बावजूद अपना काम पूरा करने में दो साल से थोड़ा ज्यादा समय लगा। मार्च 2020 में बनी इस पैनल को 2021 में एक साल का विस्तार दिया गया था।

श्री रबीन्द्रनाथ टैगोर जयंती

(7 मई)रबीन्द्रनाथ ठाकुर (7 मई, 1861 – 7 अगस्त, 1941) विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं - भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं।

रबीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी में हुआ। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। उनकी आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश पुनः लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ।

टैगोर की माता का निधन उनके बचपन में हो गया था और उनके पिता व्यापक रूप से यात्रा करने वाले व्यक्ति थे, अतः उनका लालन-पालन अधिकांशतः नौकरों द्वारा ही किया गया था। टैगोर परिवार बंगाल पुनर्जागरण के समय अग्रणी था उन्होंने साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया; बंगाली और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत एवं रंगमंच और पटकथाएं वहां नियमित रूप से प्रदर्शित हुईं थीं। टैगोर के पिता ने कई पेशेवर ध्रुपद संगीतकारों को घर में रहने और बच्चों को भारतीय शास्त्रीय संगीत पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया था। टैगोर के सबसे बड़े भाई द्विजेंद्रनाथ एक दार्शनिक और कवि थे एवं दूसरे भाई सत्येंद्रनाथ कुलीन और पूर्व में सभी यूरोपीय सिविल सेवा के लिए पहले भारतीय नियुक्त व्यक्ति थे। एक भाई ज्योतिरिंद्रनाथ, संगीतकार और नाटककार थे एवं इनकी बहिन स्वर्णकुमारी उपन्यासकार थीं। ज्योतिरिंद्रनाथ की पत्नी कादंबरी देवी सम्भवतः टैगोर से थोड़ी बड़ी थीं व उनकी प्रिय मित्र और शक्तिशाली प्रभाव वाली स्त्री थीं जिन्होंने 1884 में अचानक आत्महत्या कर ली। इस कारण टैगोर और इनका शेष परिवार कुछ समय तक अधिक समस्याओं से घिरा रहा था।

इसके बाद टैगोर ने बड़े पैमाने पर विद्यालयी कक्षा की पढ़ाई से परहेज किया और मैरर या पास के बोलपुर और पनिहती में घूमने को प्राथमिकता दी, और फिर परिवार के साथ कई स्थानों की यात्रा की। उनके भाई हेमेंन्द्रनाथ ने उसे पढ़ाया और शारीरिक रूप से उसे वातानुकूलित किया - गंगा को तैरते हुए या पहाड़ियों के माध्यम से, जिमनास्टिक्स द्वारा, और जूडो और कुश्ती अभ्यास करना उनके भाई ने सिखाया था। टैगोर ने ड्राइंग, शरीर विज्ञान, भूगोल और इतिहास, साहित्य, गणित, संस्कृत और अंग्रेजी को अपने सबसे पसंदीदा विषय का अध्ययन किया था। हालाँकि टैगोर ने औपचारिक शिक्षा से नाराजगी व्यक्त की - स्थानीय प्रेसीडेंसी कॉलेज में उनके विद्वानों से पीड़ित एक दिन का दिन था। कई वर्षो बाद उन्होंने कहा कि उचित शिक्षण चीजों की व्याख्या नहीं करता है; उनके अनुसार उचित शिक्षण, जिज्ञासा है।

ग्यारह वर्ष की आयु में उनके उपनयन (आने वाला आजीवन) संस्कार के बाद, टैगोर और उनके पिता कई महीनों के लिए भारत की यात्रा करने के लिए फरवरी 1873 में कलकत्ता छोड़कर अपने पिता के शांतिनिकेतन सम्पत्ति और अमृतसर से डेलाहौसी के हिमालयी पर्वतीय स्थल तक निकल गए थे। वहां टैगोर ने जीवनी, इतिहास, खगोल विज्ञान, आधुनिक विज्ञान और संस्कृत का अध्ययन किया था और कालिदास की शास्त्रीय कविताओं के बारे में भी पढ़ाई की थी। 1873 में अमृतसर में अपने एक महीने के प्रवास के समय, वह सुप्रभात गूरुवाणी और नानक वाणी से बहुत प्रभावित हुए थे, जिन्हें स्वर्ण मंदिर में गाया जाता था जिसके लिए दोनों पिता और पुत्र नियमित रूप से आगंतुक थे। उन्होंने इसके बारे में अपनी पुस्तक मेरी यादों में उल्लेख किया जो 1912 में प्रकाशित हुई थी।

साहित्यिक जीवन

'वाल्मीकि प्रतिभा' नामक नाटक में शीर्ष भूमिका में रवीन्द्रनाथ ठाकुर (सन 1881); उनकी भतीजी इंदिरा देवी, लक्ष्मी की भूमिका में हैं।

बचपन से ही उनकी कविता, छन्द और भाषा में अद्भुत प्रतिभा का आभास लोगों को मिलने लगा था। उन्होंने पहली कविता आठ वर्ष की आयु में लिखी थी और सन् 1877 में केवल सोलह वर्ष की आयु में उनकी प्रथम लघुकथा प्रकाशित हुई थी।

टैगोर ने अपने जीवनकाल में कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएँ, यात्रावृन्त, नाटक और सहस्त्रो गाने भी लिखे हैं। वे अधिकतम अपनी पद्य कविताओं के लिए जाने जाते हैं। गद्य में लिखी उनकी छोटी कहानियाँ बहुत लोकप्रिय रही हैं। टैगोर ने इतिहास, भाषाविज्ञान और आध्यात्मिकता से जुड़ी पुस्तकें भी लिखी थीं। टैगोर के यात्रावृन्त, निबंध, और व्याख्यान कई खंडों में संकलित किए गए थे, जिनमें यूरोप के जटरिर पत्रों (यूरोप से पत्र) और 'मनुशर धर्म' (मनुष्य का धर्म) शामिल थे। अल्बर्ट आइंस्टीन के साथ उनकी संक्षिप्त बातचीत, ठवास्तविकता की प्रकृति पर नोटठ, बाद के उत्तरार्धों के एक परिशिष्ट के रूप में सम्मिलित किया गया है।

टैगोर के 150 वें जन्मदिन के अवसर पर उनके कार्यों का एक (कालनुक्रोमिक रबीन्द्र रचनाबली) नामक एक संकलन वर्तमान में बंगाली कालानुक्रमिक क्रम में प्रकाशित किया गया है। इसमें प्रत्येक कार्य के सभी संस्करण शामिल हैं और लगभग अस्सी संस्करण है। 2011 में, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने विश्व-भारती विश्वविद्यालय के साथ अंग्रेजी में उपलब्ध टैगोर के कार्यों की सबसे बड़ी संकलन द एसेंटियल टैगोर, को प्रकाशित करने के लिए सहयोग किया है यह फकराल आलम और राधा चक्रवर्ती द्वारा संपादित की गयी थी और टैगोर के जन्म की 150 वीं वर्षगांठ की निशानी हैं।

मुख्य लेखः रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कृतियाँ,गीतांजलि,पूरबी प्रवाहिन,शिशु भोलानाथ,महुआ,वनवाणी

परिशेष,पुनश्च,वीथिका शेषलेखा,चोखेरबाली,कणिका,नैवेद्य मायेर खेला,क्षणिका,गीतिमाल्य

कथा ओ कहानी,रबीन्द्र संगीत

टैगोर ने लगभग 2,230 गीतों की रचना की। रवींद्र संगीत बाँग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग है। टैगोर के संगीत को उनके साहित्य से अलग नहीं किया जा सकता। उनकी अधिकतर रचनाएँ तो अब उनके गीतों में शामिल हो चुकी हैं। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ध्रुवपद शैली से प्रभावित ये गीत मानवीय भावनाओं के अलग-अलग रंग प्रस्तुत करते हैं।

अलग-अलग रागों में गुरुदेव के गीत यह आभास कराते हैं मानो उनकी रचना उस राग विशेष के लिए ही की गई थी। प्रकृति के प्रति गहरा लगाव रखने वाला यह प्रकृति प्रेमी ऐसा एकमात्र व्यक्ति है जिसने दो देशों के लिए राष्ट्रगान लिखा।

दर्शन

गुरुदेव ने जीवन के अंतिम दिनों में चित्र बनाना शुरू किया। इसमें युग का संशय, मोह, क्लान्ति और निराशा के स्वर प्रकट हुए हैं। मनुष्य और ईश्वर के बीच जो चिरस्थायी सम्पर्क है, उनकी रचनाओं में वह अलग-अलग रूपों में उभरकर सामने आया। टैगोर और महात्मा गाँधी के बीच राष्ट्रीयता और मानवता को लेकर हमेशा वैचारिक मतभेद रहा। जहां गान्धी पहले पायदान पर राष्ट्रवाद को रखते थे, वहीं टैगोर मानवता को राष्ट्रवाद से अधिक महत्व देते थे। लेकिन दोनों एक दूसरे का बहुत अधिक सम्मान करते थे। टैगोर ने गान्धीजी को महात्मा का विशेषण दिया था। एक समय था जब शान्तिनिकेतन आर्थिक कमी से जूझ रहा था और गुरुदेव देश भर में नाटकों का मंचन करके धन संग्रह कर रहे थे। उस समय गान्धी जी ने टैगोर को 60 हजार रुपये के अनुदान का चेक दिया था।

जीवन के अन्तिम समय 7 अगस्त 1941 से कुछ समय पहले इलाज के लिए जब उन्हें शान्तिनिकेतन से कोलकाता ले जाया जा रहा था तो उनकी नातिन ने कहा कि आपको मालूम है हमारे यहाँ नया पावर हाउस बन रहा है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हाँ पुराना आलोक चला जाएगा और नए का आगमन होगा।

विशेषताएं

पिता के ब्रह्मसमाजी होने के कारण वे भी ब्रह्म-समाजी थे।

उनकी रचनाओं में मनुष्य और ईश्वर के बीच के चिरस्थायी सम्पर्क की विविध रूपों में अभिव्यक्ति मिलती है।

उन्होंने बंगाली साहित्य में नए तरह के पद्य और गद्य के साथ बोलचाल की भाषा का भी प्रयोग किया। इससे बंगाली साहित्य क्लासिकल संस्कृत के प्रभाव से मुक्त हो गया। टैगोर की रचनायें बांग्ला साहित्य में एक नई ऊर्जा ले कर आई। उन्होंने एक दर्जन से अधिक उपन्यास लिखे। इनमे चोखेर बाली, घरे बहिरे, गोरा आदि शामिल है। उनके उपन्यासों में मध्यम वर्गीय समाज विशेष रूप से उभर कर सामने आया। 1913 ईस्वी में गीतांजलि के लिए इन्हें साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला जो कि एशिया मे प्रथम विजेता साहित्य मे है। मात्र आठ वर्ष की उम्र मे पहली कविता और केवल 16 वर्ष की उम्र मे पहली लघुकथा प्रकाशित कर बांग्ला साहित्य मे एक नए युग की शुरुआत की रूपरेखा तैयार की। उनकी कविताओं में नदी और बादल की अठखेलियों से लेकर अध्यात्मवाद तक के विभिन्न विषयों को बखूबी उकेरा गया है। उनकी कविता पढ़ने से उपनिषद की भावनाएं परिलक्षित होती है।

सम्मान

1913 ई. में रविंद्रनाथ ठाकुर को उनकी काव्यरचना गीतांजलि के लिये साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला।

1915 ई. में उन्हें राजा जॉर्ज पंचम ने नाइटहुड की पदवी से सम्मानित किया था। 1919 ई. में जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में उन्होंने यह उपाधि लौटा दी थी। (लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

हमने तुम्हें 'राशन ' दिया तुम मुझे वोट दो

तुम मुझे ख़ून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा , यह नारा 4 जुलाई 1944 को बर्मा में हज़ारों भारतवासियों की मौजूदगी में नेता जी सुभाष बोस ने दिया था। अब लगभग इसी तर्ज़ का नारा भूखमरी और सत्ता के बीच उछलता दिखाई दे रहा है। कुछ समय पूर्व ही पांच राज्यों में हुये विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं का एक नया वर्ग उभर कर सामने आया जिसे मीडिया द्वारा 'लाभार्थी ' वर्ग के नाम से प्रचारित किया गया। 'लाभार्थी ' उस वर्ग को बताया गया जो राशन कार्ड धारी व ग़रीबी रेखा से नीचे रहने वाला विशेषकर वह वर्ग जो कोरोना काल में नौकरी या व्यवसाय समाप्त हो जाने के बाद दो वक़्त की रोटी का भी मोहताज हो गया था। इस ग़रीब व बेसहारा वर्ग को सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत गेहूं,चावल,चना आदि राशन मुफ़्त में वितरित किया गया। सरकारी दावों के अनुसार पूरे देश में प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मुफ़्त राशन प्राप्त करने के अतिरिक्त केंद्र सरकार की उज्जवला योजना, किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास तथा शौचालय निर्माण योजना जैसी कई योजनाओं का फ़ायदा उठाने वाले लाभार्थी वर्ग की संख्या लगभग 80 करोड़ बताई गयी। विभिन्न राज्यों में इन ग़रीब,मजबूर व बेसहारा लोगों को बाक़ायदा 'उत्सव' आयोजित कर इन्हें राशन बांटा गया। यह अलग बात है कि अनेक वितरण केंद्रों पर इन ग़रीबों को दिया जाने वाला राशन निहायत घटिया क़िस्म का था। तथा योजना के तहत बनाये गये शौचालय भी टूट फूट गए। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मुफ़्त दिया गया गैस सिलिंडर व गैस चूल्हा भी मकान के किसी कोने में पड़ा इसलिए धूल खाने लगा क्योंकि गैस सिलिंडर रिफ़िल करने के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर दी गयी। और उन्हीं उज्ज्वला लाभार्थियों ने पुनः लकड़ी व चूल्हे पर खाना बनाना शुरू कर दिया। परन्तु प्रधानमंत्री व कहीं कहीं प्रधानमंत्री के साथ साथ राज्यों के मुख्यमंत्रियों का चित्र छपा हुआ वह थैला जो मुफ़्त राशन के साथ ही मुफ़्त में दिया गया उसकी मज़बूती में कोई कमी न थी। इसके पीछे भी रणनीतिकारों की बड़ी दूरदर्शिता यह थी कि 'लाभार्थी ' इसी थैले का इस्तेमाल राशन लेने के बाद बाज़ार लेकर आने जाने व सामानों को रखने के लिये भी कर सकता है। और वह लाभार्थी जितनी बार भी उस 'इश्तेहारी थैले ' के साथ घर से बाहर निकलेगा उतनी बार 'अन्नदाता महा मानव ' रुपी राजनेताओं के चेहरे बाज़ारों में एक 'मसीहा ' के रूप में प्रचारित होंगे। और मुफ़्त राशन पाने वाला न चाहते हुये भी लोगों को यह सन्देश देने के लिये मजबूर होगा कि वह मुफ़्त राशन के लिये सरकार पर आश्रित रहने वाला एक मजबूर,ग़रीब व उपकृत लाभार्थी है। इस तरह की मुफ़्त वाली योजनाओं में से अधिकतर योजनाओं का संबंध महिलाओं से था। चाहे वह मुफ़्त राशन हो, शौचालयों का निर्माण हो या उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मिले सिलेंडर का लाभ। रणनीतिकारों ने इन योजनाओं से महिलाओं को ही सबसे अधिक उपकृत हुआ पाया। यहां तक कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रायः मकानों का आवंटन भी महिलाओं के नाम से ही किया गया।

80 करोड़ लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने वाले भले ही इसे अपनी उपलब्धि बता रहे हों परन्तु इसी देश का एक बड़ा बुद्धिजीवी वर्ग देश में लाभार्थियों की इतनी बड़ी तादाद होने को ही सरकार की घोर विफलता मान रहा है। सवाल यह है कि उसी कोरोना काल में बिना किसी योजना व तैयारी के जिसतरह अचानक लॉक डाउन घोषित किया गया जिसके परिणाम स्वरूप देश के करोड़ों लोगों को अपने रोज़गार गंवाने पड़े,अपनी नौकरियों से हाथ धोना पड़ा और भूखमरी की कगार पर पहुंचना पड़ा आख़िर इन हालात की ज़िम्मेदारी किसकी थी ? इतना बड़ा 'लाभार्थी ' वर्ग खड़ा करने का ज़िम्मेदार भी आख़िर कौन है ? मोदी सरकार की रणनीति से एक बात तो साफ़ झलकती है कि सरकार लोगों को रोज़गार व सेवा के अवसर व अधिकार देने के विपरीत इसी प्रकार की कुछ कल्याणकारी योजनाओं से ही उन्हें उपकृत कर अपने पक्ष में 'लाभार्थियोंका एक बड़ा वर्ग खड़ा करना चाहती है। जिसका व्यापक प्रभाव पिछले दिनों 5 राज्यों में हुये चुनावों में देखने को भी मिला कि भाजपा की ख़ास रणनीति के तहत किस प्रकार 'लाभार्थियों'का वर्ग भाजपा के 'वफ़ादार' मतदाताओं के रूप में परिवर्तित हो चुका है। ज़ाहिर है चुनाव परिणामों से ही उत्साहित होकर सरकार ने देश के अस्सी करोड़ लोगों तक पहुँचने वाली प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना जैसी 'मुफ़्त ' राशन वितरण योजना को सितंबर 2022 तक के लिये और आगे बढ़ा दिया है। मुफ़्त राशन लाभार्थियों के प्रति सरकार की दिलचस्पी व उसके 'विश्वास ' का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा ट्ववीट कर बताया गया कि -' भारतवर्ष का सामर्थ्य देश के एक-एक नागरिक की शक्ति में समाहित है। इस शक्ति को और मज़बूती देने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना को छह महीने और बढ़ाकर सितंबर 2022 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। देश के 80 करोड़ से अधिक लोग पहले की तरह इसका लाभ उठा सकेंगे'।

भाजपा द्वारा अब अपने कार्यकर्ताओं को यह निर्देशित किया जा रहा है कि वे लाभार्थियों से निरंतर संपर्क बनाये रखें। ज़ाहिर है 'संपर्क ' बनाये रखने का मक़सद यह तो हरगिज़ नहीं हो सकता कि वे लाभार्थियों से यह पूछें कि आपको जो मुफ़्त अनाज मिला है उसकी गुणवत्ता कैसी थी या उसका वज़न पूरा था या नहीं। बल्कि इसका अर्थ केवल यही है कि 'लाभार्थी ' याद रखे कि सरकार ने मुफ़्त राशन देकर उनपर जो उपकार किया है वह उसका प्रतिफल मतदान की शक्ल में उनकी पार्टी को वापस करे। यानी चूँकि हमने तुम्हें 'राशन ' दिया इसलिये तुम मुझे वोट दो। भाजपा के अतिरिक्त अन्य पार्टियों द्वारा भी जिस तरह मतदाताओं को 'मुफ़्तख़ोरी ' की अनेक योजनाओं का प्रस्ताव देकर अपने पक्ष में लुभाने की कोशिशें की जाती हैं उससे यह साफ़ ज़ाहिर होता है कि सरकार हो या विपक्ष सभी की दिलचस्पी आत्म निर्भर भारत बनाने बजाये शासनाधीन मतदाता बनाने की ज़रूर है। अन्यथा मुफ़्तख़ोरी की योजनाओं में जो पैसा ख़र्च किया जाता है, सरकार चाहे तो उन्हीं पैसों से मतदाताओं को आत्मनिर्भर बनाने की अनेक योजनायें भी शुरू की जा सकती है। (लेखिका-निर्मल रानी / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

07 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.54 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	07.52 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	10.06 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	12.22 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.34 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.45 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.59 ब.से
राहु	मेष में	धनु	21.15 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.20 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.07 बजे से
9.00 से 10.30		मीन	02.40 बजे से
बजे तक		मेष	04.10 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 127 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 14.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 12.18 बजे को समाप्त।
योग शूल 19.58 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.57 बजे तदनन्तर गर 04.02 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871241
जूलियन दिन 2459706.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल
तारीख 05
विशेष रबीन्द्रनाथ टैगोर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास 7 मई

1703 मालबोरो के ड्यूक के के नेतृत्व में वान पर कब्जा किया गया.
1777 अमेरिकी युद्धपोत सरप्राइज ने इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश जहाज प्रिंस ऑफ ओरेंज को कब्जे में ले लिया.
1821 अंग्रेजी के कवि राबर्ट ब्राउनिंग का जन्म हुआ.
1848 प्रसियाई फौजों ने वारसा में विद्रोह का दमन किया.
1861 कविवर रवींद्रनाथ टैगोर का का जन्म हुआ.
1907 मुम्बई में ट्राम कार पहली बार चली.
1915 जर्मनी ने ब्रिटिश जहाज लुसिआनिया को 1100 व्यक्तियों सहित आयरिश समुद्र तट से काफी दूरी पर डूबो दिया.
1970 सोमालिया ने सभी विदेशी तेल कंपनियों और बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर लिया.
1973 अरुणाचल की नई राजधानी ईटा नगर की आधारशिला रखी गयी.
1990 नार्वे के दो व्यक्ति कुत्तों को साथ लिए बिना उत्तरी ध्रुव पर पहुचने में सफल हुए.
1994 कपड़ा उद्योगपति सुनील खटाऊ की मुंबई में गोली मार कर हत्या.
1994 ध्रुपद के महान गायक नसीर जहीरुद्दीन डागर का 62 वर्ष की आयु में निधन.
2000 नोएडा के भाजपा के उपाध्यक्ष अतर सिंह शर्मा की हत्या.
2002 पोटा के खिलाफ झारखंड में भारी हिंसा,15 पुलिसकर्मी मरे.

शब्द पहेली - 7278

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा,उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण,घूमना-3
9. फिजूल,व्यर्थ ही-3
11. गुनाह,जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग,पांव,पैर-3
16. मक्खन(अंग्रेजी-3)
18. रावण,दशानन-5
19. टेलीफोन,दूरभाष-2
20. असली,शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार,घात-3
2. आश्रय,पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण,शीशा-3
6. चिपकू,जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना,अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु,जन्तु-4
14. मजार,मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश,बरसात-3
17. धनवान,संपन्न-3

शब्द पहेली -7277 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने उतरेगी केकेआर

पुणे (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स से होने वाले मुकाबले को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखने उतरेगी। इस मैच में लखनऊ को हराना हालांकि केकेआर के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि कप्तान लोकेश राहुल की सुपर जायंट्स टीम ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अंकतालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। राहुल ने अब तक शानदार बल्लेबाजी की है ऐसे में केकेआर के गेंदबाजों को उन्हें बड़ा स्कोर बनाने से रोकना होगा। लखनऊ ने अभी तक 10 में से सात मैच जीते हैं और वह 14 अंक लेकर अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है और इस प्रकार प्लेऑफ में जगह बनाने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। जबकि केकेआर को अपनी संभावनाएं बनाए रखने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा। अभी तक उसके 10 मैचों में चार जीत से आठ अंक हैं और वह अभी आठवें स्थान पर है।

केकेआर के गेंदबाजों उमेश यादव, टिम साउदी, शिवम मावी और सुनील नरेल को इस मैच में बेहतर गेंदबाजी कर सुपर जायंट्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा कयोंकि सुपर जायंट्स के पास क्विंटन डिकॉक, दीपक हुडा और क्रुणाल पंडया के अलावा ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और जैसन होल्डर जैसे खिलाड़ी हैं जो कभी भी मैच पलट सकते हैं। लखनऊ के पास अच्छी गेंदबाजी क्षमता भी है। तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि दुष्मंथा चमीरा, जेसन होल्डर और पंडया को अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। इसके अलावा टीम के पास स्पिनर के तौर पर रवि बिश्नोई और के गौतम भी हैं। वहीं दूसरी ओर केकेआर के लिए अब तक सलामी जोड़ी का विफल रहना परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में आरोन फिंच और बाबा इंद्रजीत को सलामी जोड़ी के तौर पर रन बनाने होंगे।

कप्तान श्रेयस अय्यर और आंद्रे रसेल को भी और अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। नीतीश राणा और रिंकू सिंह के फार्म में होने का टीम को लाभ मिलेगा। गेंदबाजी में टीम के पास अनुभवी उमेश याद और टिम साउदी जैसे तेज गेंदबाज हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास सुनील नरेन जैसा गेंदबाज है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

कोलकाता नाइट राइडर्सः एरोन फिंच, अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, बाबा इंद्रजीत, नीतीश राणा, प्रथम सिंह, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, अशोक शर्मा, पैट कमिंस, रसिख डार, शिवम मावी, टिम साउदी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अमन खान, आंद्रे रसेल, अनुकूल रॉय, चमिका करुणारत्ने, मोहम्मद नबी, रमेश कुमार, सुनील नरेन, वेंकटेश अय्यर, सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन.

लखनऊ सुपर जायंट्सः केएल राहुल (कप्तान), मनन वोहरा, एविन लुईस, मनीष पांडे, क्विंटन डिकॉक, रवि बिश्नोई, दुष्मंथा चमीरा, शाहबाज नदीम, मोहसिन खान, मयंक यादव, अंकित राजपूत, अवेश खान, एंड्रयू टाय, मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, करण शर्मा, कृष्णप्पा गौतम, आयुष बडोनी, दीपक हुडा, क्रुणाल पंडया, जेसन होल्डर।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे रॉयल्स और पंजाब किंग्स

दोपहर तीन बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा मैच

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल में शनिवार को राजस्थॉन रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। राजस्थॉन का लक्ष्य इस मैच में बेहतर बल्लेबाजी कर लय में आना रहेगा। राजस्थान ने इस सत्र की शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन किया था पर बीच के दौर में उसे

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियन्स से मिली हार के कारण नुकसान झेलना पड़ा है। वहीं दूसरी ओर

पंजाब की टीम ने पिछले मैच में नंबर एक स्थान पर चल रही टीम गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे बाद से ही उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में कप्तान मयंक अग्रवाल की टीम जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

राजस्थान की टीम पिछले दो मैचों में हार के कारण अभी अंकतालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी है। बल्लेबाजी में टीम के पास जोस बटलर जैसे बल्लेबाजी हैं। बटलर ने अभी तक इसटूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। बटलर जिस भी मैच में रन नहीं बना पाये उसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा है। कप्तान संजू सैमसन के अलावा

प्रमुख बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने से टीम को नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम को जीत दर्ज करनी है तो सैमसन के अलावा पडिक्कल को भी रन बनाने होंगे। वहीं नंबर चार पर शिमरोन हेटमायर को उतारा जा सकता है क्योंकि वह आक्रमक बल्लेबाज हैं और कभी भी मैच का रुख बदल सकते हैं।

वहीं गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो टीम के गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि

पिछले दो मैचों में उसके गेंदबाज करीब डेढ़ सौ रनों के स्कोर का बचाव भी नहीं कर पाये हैं जबकि टीम के पास

युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, कुलदीप सेन और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे प्रमुख गेंदबाज थे।

वहीं दूसरी ओर पंजाब टीम की राह भी उतनी आसान नहीं है। उसके बल्लेबाज भी निरंतरता की कमी से जूझ रहे हैं।

शिखर धवन ने अभी तक टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। इसके अलावा लियाम लिविंगस्टोन और भानुका राजपक्षे ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है पर अब सभी को रन बनाने होंगे।

जॉनी बेयरस्टॉ अभी अपने नाम के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा कप्तान मयंक अग्रवाल भी अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो पंजाब के पास अर्शदीप सिंह और कैगिसो रबाडा जैसे शानदार तेज गेंदबाज हैं। पंजाब के गेंदबाजों ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए गुजराज के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। रबाडा ने पिछले दो मैचों में चार-चार विकेट लेकर साबित किया है कि अभी भी वह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं , ऐसे में उनका सामना करना राजस्थान के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा।

रबाडा के अलावा पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी बहुत अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने अधिक विकेट नहीं लिये हैं पर विरोधी टीम पर अंकुश लगाया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

पंजाब किंग्सः शिखर धवन, मयंक अग्रवाल (कप्तान), अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा, जॉनी बेयरस्टॉ, राहुल चाहर, हरप्रीत बराड़, शाहरुख खान, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, ईशान पोरेल, लियाम लिविंगस्टोन, ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, राज अंगद बावा, ऋषि धवन, प्रेरक मांकड़, वैभव अरोड़ा, ऋतिक चटर्जी, बलतेज ढांडा, अंश पटेल, नाथन एलिस, अथर्व ताएदे, भानुका राजपक्षे, बेनी हॉवेल।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, शिमरोन हेटमायर, देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेंद्र चहल, रियान पराग, केसी करियप्पा, नवदीप सैनी, ओबेद मैककॉय, अनुय सिंह, कुलदीप सेन, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, तेजस बरोका, कुलदीप यादव, शुभम गरवाल, जेम्स नीशम, नाथन कूल्टर-नाइल, रासी वान डेर डूसन, डेरिल मिचेल।

अगले माह होगी रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज

भारत सहित आठ देशों की टीमें भाग लेंगी

मुंबई (ईएमएस)। देश और दुनिया भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता जगाने के लिए आयोजित की जा रही टी-20 क्रिकेट लीग (रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज) का दूसरा संस्करण चार जून से शुरु होगा। यह सीरीज तीन जुलाई तक तीन स्थानों लखनऊ, इंदौर और जोधपुर में खेली जाएगी और इसमें मेजबान भारत सहित आठ देशों ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, बंगलादेश, श्रीलंका की टीमें भाग लेंगी। न्यूजीलैंड लीजेंड्स इस सत्र से जुड़ी नई टीम है। वह इस 30 दिवसीय आयोजन के दौरान भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बंगलादेश और इंग्लैंड लीजेंड्स के साथ जुड़ेगी। यह टूर्नामेंट भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा समर्थित है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसको लेकर कहा, 'सड़क सुरक्षा विश्व श्रृंखला क्रिकेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए एक बहुत अच्छी पहल है। हम चाहते हैं कि देश में हर व्यक्ति जागरुक हो और सड़क पर चलते वक्त हर नियम और कानून का पालन करे। ऐसा सुनिश्चित करने के लिए हमें लोगों में जागरुकता पैदा करनी होगी। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह श्रृंखला भारतीय सड़कों पर जीवन बचाने के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम होगी।' वहीं केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आयोजन की सफलता की उम्मीद करते हुए कहा, 'मुझे भरोसा है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देगी और सड़क तथा सड़क सुरक्षा पर लोगों के व्यवहार के प्रति उनकी मानसिकता को प्रभावित करने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करेगी।'

खून के थक्के जमने की शिकायत के बाद अमेरिका में 'जॉनसन एंड जॉनसन' का कोविडरोधी टीका बैन

वाशिंगटन (ईएमएस)। कोविड के घातक वायरस से बचाव के लिए अमेरिका के दवा नियामक ने खून के थक्के जमने के गंभीर जोखिम के मद्देनजर जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) के कोविड-19 रोधी टीके के इस्तेमाल को लेकर कुछ प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने कहा है कि अब इस टीके की खुराक केवल उन वयस्कों को दी जा सकेगी, जो कोई अन्य वैक्सीन नहीं ले सकते या फिर खासतौर पर 'जेएंडजे' का टीका लगवाने का अनुरोध करते हैं। अमेरिकी अधिकारी कई महीनों से सिफारिश कर रहे हैं कि अमेरिका के लोग 'जेएंडजे' टीके के बजाय 'फाइजर' या 'मॉडर्ना' की वैक्सीन ही लगवाएं।

एफडीए के टीके से जुड़े मामलों के प्रमुख डॉ. पीटर मार्क्स ने बताया कि एजेंसी खून के थक्के जमने के जोखिम से संबंधित आंकड़ों पर एक बार फिर गौर करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि 'जेएंडजे' की वैक्सीन का इस्तेमाल सीमित किया जाना चाहिए। मार्क्स के मुताबिक, कोविड-19 से निपटने के लिए कई अन्य विकल्प मौजूद हैं, जो उतने ही प्रभावशाली हैं और लोगों को इनकी तरफ रुख करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीका लगवाने के शुरुआती दो हफ्तों में खून के थक्के जमने की शिकायत उत्पन्न हो सकती है, ऐसे में अगर आपने छह महीने पहले टीका लगवाया था तो आपके लिए चिंता की कोई बात नहीं है। एफडीए ने फरवरी 2021 में 18 साल और उससे अधिक उम्र के वयस्कों में 'जेएंडजे' के कोविड-19 रोधी टीके के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी।

शुरुआत में इस टीके को वैश्विक महामारी से निपटने के एक महत्वपूर्ण हथियार के रूप में देखा जा रहा था, क्योंकि किसी को भी इसकी केवल एक ही खुराक लेने की जरूरत पड़ती है। हालांकि, बाद में एकल खुराक का विकल्प 'फाइजर' और 'मॉडर्ना' के टीकों के मुकाबले कम प्रभावशाली साबित हुआ। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने दिसंबर 2021 में 'जेएंडजे' के टीके से जुड़े सुरक्षा मुद्दों के कारण 'मॉडर्ना' और 'फाइजर' के टीकों को तरजीह देने की सिफारिश की थी। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में 20 करोड़ से अधिक लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और इन लोगों ने 'मॉडर्ना' व 'फाइजर' के टीके लगवाए हैं। वहीं, 1.7 लाख से कम लोगों को 'जेएंडजे' की वैक्सीन लगाई गई है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू बाजार में बिकवाली हावी होने से यह नीचे आया है। विदेशी कोषों से लगातार निकासी के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 866.65 अंक करीब 1.56 फीसदी की गिरावट के साथ ही 54,835.58 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 271.40 अंक तकरीबन 1.63 फीसदी की गिरावट के साथ ही 16,411.25 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, नेस्ले, विप्रो, एचडीएफसी, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे हैं जबकि टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, आईटीसी, एसबीआई और एनटीपीसी के शेयर ऊपर आये हैं।

दूसरी ओर यूरोप में शेयर बाजार दोपहर के सत्र में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी शेयर बाजारों में भी गुरुवार को गिरावट रही। बाजार जानकारों के अनुसार ब्याज दरों में बढ़ोतरी के साथ ही बिकवाली के दबाव से वैश्विक बाजार गिरने लगे हैं। इसका विपरीत प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है।

रेपो रेट बढ़ने से कई बैंकों ने बढ़ाई जमा पर ब्याज दर

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इसी सप्ताह अप्रत्याशित तरीके से रेपो रेट बढ़ाने की घोषणा कर दी। जिसका असर बैंकों के ब्याज दरों पर पड़ने लगा है। जहां एक ओर बैंक होम लोन और अन्य लोन का इंटरेस्ट बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एफडी में इन्वेस्ट करने वालों को इसका फायदा मिलने लगा है। प्राइवेट सेक्टर के कुछ बैंकों ने एफडी पर ज्यादा ब्याज देना शुरू कर दिया है। प्राइवेट सेक्टर के कोटक महिंद्रा बैंक ने भी अब एफडी पर ब्याज की दरें बढ़ा दी है। बैंक ने बताया कि बढ़े ब्याज का लाभ 2 करोड़ रुपये से कम के सारे डिपॉजिट पर मिलेगा। बढ़ी ब्याज दरें 06 मई यानी शुक्रवार से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने एक बयान में बताया कि सबसे लोकप्रिय 390 दिन के डिपॉजिट पर ब्याज दर को 0.30 फीसदी बढ़ाकर 5.5 फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह 23 महीने के डिपॉजिट पर ब्याज की दर अब 0.35 फीसदी बढ़कर 5.6 फीसदी हो गई है।

बैंक के स्टेटमेंट के अनुसार, 364 दिन के डिपॉजिट पर अब 5.25 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। इसी तरह 365 दिन और 389 दिन के डिपॉजिट पर ग्राहकों को 5.4 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। बुजुर्ग ग्राहकों को बैंक की ओर से ज्यादा लाभ दिया जा रहा है। बैंक ने बताया कि 60 साल से अधिक उम्र वाले ग्राहकों को हर अवधि के डिपॉजिट पर आम ग्राहकों की तुलना में 0.50 फीसदी अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। निजी क्षेत्र के ही आईसीआईसीआई बैंक ने भी 05 मई से एफडी की दरें बढ़ा दी है। इस बैंक ने 02 करोड़ रुपये से 05 करोड़ रुपये तक के डिपॉजिट पर ब्याज की दरें बढ़ाई है। अब बैंक 185 से 210 दिन के लिए 3.75 फीसदी की दर से ब्याज का भुगतान करेगा। इसी तरह 271 से 289 दिन के लिए ग्राहकों को अब 4 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। बैंक ने 02 करोड़ रुपये से कम के सिंगल डिपॉजिट पर 20 जनवरी को ब्याज दरों में बदलाव किया था।

सोना चमका, चांदी के दाम में भी तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से एमसीएक्स पर शुक्रवार को सोने की कीमत 0.17 फीसदी बढ़ गई, वहीं दूसरी ओर चांदी के दाम में भी 0.26 फीसदी की तेजी आई है। इस बढ़ोतरी के बाद सोने का भाव बढ़कर 50,986 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमत 62,498 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

साबुन से लेकर शैम्पू की कीमत 15 फीसदी तक बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। रोजाना इस्तेमाल होने वाला सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर ने एक बार फिर कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने साबुन से लेकर शैंपू की कीमत में 15 फीसदी तक बढ़ोतरी कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक क्लीनिक प्लस शैंपू की कीमत में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। इसके 100 मिली पैक के लिए ग्राहकों को अब 15 फीसदी ज्यादा कीमत चुकानी होगी। इसी तरह पीयर्स साबुन के 125 ग्राम की कीमत में 2.4 फीसदी बढ़ाई गई है जबकि मल्टीपैक की कीमत में 3.7 फीसदी बढ़ोतरी की गई है। लक्स साबुन के कुल मल्टीपैक वैरिएंट्स की कीमत में नौ फीसदी बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने साथ ही सनसिल्क शैंपू की कीमत आठ से 10 रुपए तक बढ़ा दी है। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने ग्लो एंड लवली की कीमत में छह से आठ फीसदी बढ़ोतरी की है। इसी तरह पॉन्ड्स टैलकम पाउडर के लिए ग्राहकों को अब पांच से सात फीसदी ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। कंपनी ने इस साल तीसरी बार अपने प्रॉडक्ट्स की कीमत बढ़ाई है। इससे पहले कंपनी ने हिंदुस्तान यूनिलीवर फरवरी और अप्रैल में भी अपने सामान की कीमतों में इजाफा किया था। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के कारण उसे ऐसा करना पड़ा है। कंपनी ने फरवरी में कई किस्तों में अपने प्रोडक्ट्स की कीमत बढ़ाई थी। तब कीमतों में तीन से 13 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी।

लगातार प्रॉफिट बुकिंग के कारण गिर रहा अडानी विल्मर का शेयर

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों शेयर बाजार की चाल को मात देकर मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले अडानी विल्मर के स्टॉक की उड़ान थम गई है। पिछले 6 सेशन में ही अडानी विल्मर के स्टॉक का भाव 26 फीसदी से ज्यादा टूटकर यह 3 सप्ताह बाद फिर से 650 रुपये के नीचे आ गया है। बीते 6 सेशन में लगभग हर रोज इस स्टॉक पर लोअर सर्किट लगा है। अडानी विल्मर के स्टॉक ने

शुक्रवार के कारोबार की शुरुआत ही लोअर सर्किट के साथ की। जैसे ही कारोबार की शुरुआत हुई, बीएसई पर अडानी विल्मर का शेयर पिछले दिन के मुकाबले 5 फीसदी गिरकर 646.20 रुपये पर खुला। इससे पहले गुरुवार को यह स्टॉक 680.20 रुपये पर बंद हुआ था। शुक्रवार के कारोबार में लोअर सर्किट पर खुलने के बाद अडानी विल्मर का स्टॉक एक बार भी रिकवर नहीं कर सका पूरे दिन 5 फीसदी गिरा रहा।

अडानी विल्मर के स्टॉक ने पिछले सप्ताह गुरुवार को अपना ऑल टाइम हाई छुआ था। उस रोज के कारोबार में इसका भाव 878.35 रुपये तक चढ़ा था। हालांकि इसके बाद पिछले सप्ताह गुरुवार को भी इसमें लोअर सर्किट लग गया था। ऑल टाइम हाई लेवल छूने के बाद यह स्टॉक लगातार प्रॉफिट बुकिंग की चपेट में आ रहा है। तब से यह स्टॉक अब तक 26.43 फीसदी नीचे आ चुका है। करीब 3 सप्ताह बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब अडानी विल्मर के स्टॉक का भाव 650 रुपये से भी कम हो गया है।

शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों भारी गिरावट में हैं। दोनों प्रमुख सूचकांक ने शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत ही गिरावट के साथ की। कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों एक समय 2-2 फीसदी तक लुढ़क गए। हालांकि बाद के कारोबार में थोड़ी रिकवरी हुई।

खाने के तेल हो सकते हैं सस्ते!

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार कच्चे पाम तेल के आयात पर कृषि इन्फ्रा और डेवलपमेंट सेस को पांच फीसदी से कम करने पर विचार कर रही है। ?जिसके बाद खाने के तेल की कीमतें कम हो सकती हैं। यह कटौती कितनी होगी, अभी कहा नहीं जा सकता है। हाल ही में सेस को 7.5 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी किया गया था। सेस कुछ उत्पादों पर मूल टैक्स के बाद लगाया जाता है। इसका इस्तेमाल कृषि क्षेत्र की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के खर्च पर किया जाता है। एक ?रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो साल से भारत में खाद्य तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद सूरजमुखी तेल का निर्यात बंद हो गया है। इंडोनेशिया ने भी पाम तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में पाम तेल और सोयाबीन तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी से घरेलू बाजार में खाद्य तेल के दाम बढ़े हैं। हालांकि, भारत ने कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं,लेकिन बहुत ज्यादा फायदा नहीं हुआ। भारत अपनी कुल जरूरतों का 60 फीसदी वनस्पति तेल आयात करता है। सूत्रों का कहना है कि सरकार के पास खाद्य तेल की कीमतों में राहत देने के लिए सेस में कटौती के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इस पर चर्चा चल रही है।

इस सत्र के बाद नजर नहीं आयेंगी फेलिक्स

वाशिंगटन (ईएमएस)। अब तक सबसे ज्यादा ओलंपिक पदक जीतने वाली अमेरिकी महिला एथलीट एलिसन फेलिक्स 2022 के इस सत्र के बाद खेल को अलविदा कह देंगी। फेलिक्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'यह सत्र समय के लिए नहीं बल्कि यह आनंद लेने के लिए है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर आप मुझे इस साल ट्रैक पर देखेंगे तो मैं उम्मीद करूंगी कि आपसे एक पल और एक याद साझा करूं।' फेलिक्स ने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में 400 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद चार गुणा 400 मीटर रिले में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। ये दोनों उनके 10वें और 11वें ओलंपिक पदक थे। इसी के साथ ही फेलिक्स ने एथलेटिक्स इतिहास में कार्ल लुईस को भी पीछे छोड़ दिया था। अब वह विश्व में केवल फिनलैंड के पावो नुर्मी से एक पदक पीछे हैं जिन्होंने 1920 से 1928 के बीच 12 पदक जीते थे। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'इस सत्र में मैं महिलाओं और अपनी बेटी के बेहतर भविष्य के लिए दौड़ूंगी।'

चीन की तरह भारत में भी बने सख्त कानून जनसंख्या नियंत्रण पर : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। आदर्श आचार संहिता मामले में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शुक्रवार को पेश होने के लिए एकबार फिर लखीसराय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला अतिथि गृह मे पत्रकारों से कई मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने देश में चीन की तरह कड़ा जनसंख्या कानून लागू करने की मांग की। इसके अलावा लाउडस्पीकर विवाद को लेकर लालू यादव के दिए बयान पर भी पलटवार किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए बल्कि इसे देश के चश्मे से देखना चाहिए। चीन की तरह एक कड़ा कानून बनना चाहिए। चीन अगर 70 के दशक में कड़ा कानून लेकर नहीं आता तो आज चीन विश्व के क्षितिज पर खुद को विकसित नहीं कर पाता। अगर आबादी नहीं रोकी होती तो चीन में 60 करोड़ लोग और अधिक होते। भारत में भी एक कड़े कानून की जरूरत है। एक ऐसा कानून हो जो सभी धर्मों के लोगों पर समान रूप से लागू हो। गिरिराज सिंह ने लाउडस्पीकर विवाद को लेकर लालू यादव पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लालू जी अभी आए हैं, तो पहले स्वास्थ लाभ लें। हमलोग उनके स्वास्थ लाभ की कामना करते हैं।

यूक्रेन युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन पर सेंसरशिप से भड़की रूसी महिला, सुई-धागे से सिला अपना मुंह

मॉस्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के खिलाफ रूस में ही प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। रूसी सरकार विरोध प्रदर्शनों को सख्ती से दबा रही है। पुतिन प्रशासन की ओर लगाए जा रहे सेंसरशिप के विरोध में एक रूसी महिला ने अपना मुंह सिल कर विरोध दर्ज कराया। महिला के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। येकातेरिनबर्ग के पूर्वी शहर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने नादेज़्दा सईफुतदीनोवा को एक मनोरोग फैसिलिटी में कैद करने के लिए बल का इस्तेमाल किया। सईफुतदीनोवा गंभीर मुकदमों से बच गई हैं, लेकिन उन पर रूसी सशस्त्र बलों को बदनाम करने का मुकदमा चल सकता है। 30 वर्षीय महिला ने शहर में अकेले प्रदर्शन करने से पहले अपने मुंह को सुई धागे से सिल लिया था। महिला ने हाथ में एक पोस्टर पकड़ रखा था, जिस पर लिखा था 'आप चुप नहीं रह सकते। आप चुप नहीं रह सकते। इसकी कीमत हमारी चेतना है। युद्ध शांति नहीं है। आजादी गुलामी नहीं है। अज्ञानता शक्ति नहीं है। सईफुतदीनोवा का विरोध तब सामने आया है जब युद्ध के खिलाफ होने वाले लोगों को रूस में प्रदर्शन से रोका गया। उन्हें रोकने के लिए बल का इस्तेमाल किया गया। ओवीडी इन्फो मानवाधिकार समूह को सईफुतदीनोवा ने बताया कि उसने सच में अपना मुंह सुई और धागे से सिल लिया था। पुलिस जब उसे स्टेशन लेकर आई तो डॉक्टरों ने उसके मुंह से धागों को निकाला और घावों की जांच की। यहां से पहले उसे एक ट्रॉमा क्लीनिक ले जाया गया और फिर शहर के मनोरोग क्लीनिक में ले जाया गया।

यूरोप के 60 फीसदी वयस्क और एक तिहाई बच्चे मोटापे से ग्रस्त, अमेरिका में महामारी का रूप लिया : डब्ल्यूएचओ

जेनेवा (ईएमएस)। दुनियाभर में मोटापा एक बड़ी समस्या बन कर उभरा है। मोटापे ने सभी वर्ग के लोगों को चिंता में डाल दिया है। खास बात यह है कि इसके शिकार सबसे ज्यादा बच्चे हो रहे हैं। शारीरिक मेहनत का अभाव, बैठे-बैठे खाना खाना और जंक फूड के बढ़ते प्रचलन ने मोटापे की समस्या में भारी योगदान किया है। वहीं कोविड के बाद तो हाल बद से बदतर होते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक, यूरोप के करीब 60 फीसदी वयस्क और एक तिहाई बच्चे ज्यादा वजन और मोटापे के शिकार हैं। यूरोप से आगे अमेरिका है, जहां मोटापा एक बड़ी महामारी का रूप ले चुका है। स्थिति पहले से ही बुरी है, ऐसे में फूड डिलीवरी एप की वजह से लगातार लोग मोटापे के शिकार हो रहे हैं। डब्लूएचओ की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप में होने वाली कुल मौतों के 13 फीसदी के पीछे की एक बड़ी वजह मोटापा है।

रिपोर्ट में यह भी जिक्र किया गया है कि यूरोप में सालाना कम से कम 2 लाख लोगों की मौत कैंसर से होती है और मोटापा इसका सबसे बड़ा कारण है। शरीर में चर्बी ज्यादा होना कई बीमारियों को न्यौता देता है। जिसमें 13 तरह के कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज, दिल की समस्या और फेफड़ों की बीमारी शामिल है। यही नहीं यह विकलांगता की भी बड़ी वजह है। मोटापा एक जटिल बीमारी होती है जो अनहेल्दी फूड खाने और शारीरिक गतिविधि के अभाव में पनपती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय निदेशक (यूरोप) डॉ हेन्स क्लूज ने कहा कि मोटापा ऐसी बीमारी है जो किसी तरह की सीमा को नहीं मानता है। यूरोप के कई क्षेत्रों में लोग किसी ना किसी तरह से मोटापे के शिकार हैं। इसे नियंत्रित करने का एकमात्र तरीका एक मजबूत स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना है। दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देश दिन पर दिन डिजिटल होते जा रहे हैं। किसी भी तरह की कोई भी जरूरत का समाधान फोन में मौजूद तमाम एप में है। यूरोप में इसी डिजिटल खाने के माहौल ने बहुत बुरा असर डाला है। लोग कब, क्या और कैसे खाते हैं। इस पर बारीकी से नजर रखी जानी चाहिए, क्योंकि यह 'मील डिलीवरी एप' उच्च वसा, उच्च शर्करा और पेय पदार्थों के उपभोग में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं।

यूके की एक स्टडी बताती है कि घर पर खाना मंगाना यानी घर पर बनाए खाने की तुलना में औसतन प्रतिदिन 200 कैलोरी ज्यादा लेना। इसका मतलब यह हुआ कि बच्चा एक हफ्ते में 8 दिन का खाना खा रहा है। मोटापे पर यूरोपियन कांग्रेस ने हाल में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि ऑनलाइन खाना या दूसरे खाद्य पदार्थों की डिलीवरी का इस्तेमाल करके स्वास्थ्यवर्धक खाने, अच्छी डाईट को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। मोटापे से निपटने के लिए यूके जरूरी कदम उठाने पर गंभीरता से काम कर रहा है।

इसके चलते वहां कुछ नीतियां भी पेश की गई हैं, जिसके चलते तमाम रेस्तरां और कैफे को अपने खाद्य पदार्थ की कैलोरी की जानकारी दिखानी होगी। इसके अलावा एक के साथ एक मुफ्त जैसे तरीकों को भी धीरे-धीरे बंद करना होगा। एक शोध से पता चला है कि इस तरह के स्कीम के चलते लोग अपनी जरूरत से 20 फीसदी ज्यादा सामान खरीदते हैं। साथ ही यूके में रात 9 बजे से पहले भोजन में उच्च चीनी, नमक और वसा वाले उत्पादों के टीवी विज्ञापनोंपर प्रतिबंध लगाने की भी योजना है।

रुस ने नकली परमाणु-सक्षम मिसाइल हमलों का अभ्यास किया

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच रूसी सेना बड़ी तैयारी कर रही है। रूस ने कहा कि उसके बलों ने यूक्रेन में जारी सैन्य अभियान के बीच, कैलिनिनग्राद के पश्चिमी एन्क्लेव में नकली परमाणु-सक्षम मिसाइल हमलों का अभ्यास किया। रूस ने यह ऐलान उस समय में किया है जब पश्चिमी समर्थक यूक्रेन में युद्ध को 70 दिन हो चुके हैं। रूसी सैन्य कार्रवाई के कारण यूक्रेन में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे खराब शरणार्थी संकट में हजारों लोग मारे गए और 13 मिलियन से अधिक विस्थापित हुए हैं।

फरवरी के अंत में यूक्रेन में सेना भेजने के बाद, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के सामरिक परमाणु हथियारों को तैनात करने को लेकर ज्यादा बयानबाजी नहीं की है, लेकिन बीच-बीच में रूस की तरफ से खबरें आती रही हैं, जब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की ओर इशारा किया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित बाल्टिक सागर पर एक एन्क्लेव में युद्ध प्लान के दौरान, रूस ने परमाणु-सक्षम इस्कंदर मोबाइल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के नकली ठइलेक्ट्रॉनिक लॉन्चठ का अभ्यास किया। बयान में कहा गया है कि रूसी बलों ने मिसाइल सिस्टम, एयरफील्ड, संरक्षित बुनियादी ढांचे, सैन्य उपकरण और नकली दुश्मन के कमांड पोस्ट के लांचरों की नकल करते हुए लक्ष्य पर सिंगल और कई हमले किए।

जीरो कोविड नीति के विरोध करने वालों पर भड़के शी जिनपिंग, नहीं मनाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अंदर ही विरोध

बीजिंग (ईएमएस)। शंघाई और बीजिंग जैसे शहरों में कोरोना लॉकडाउन के नाम पर नागरिकों के खिलाफ क्रूरता की सारी हदें पार करने वाले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपनी नीतियों की आलोचना भी बर्दाश्त नहीं है। शी ने चीन की बेहद क्रूर 'जीरो कोविड नीति' के खिलाफ आवाज उठाने वालों को अब तक की सबसे कड़ी चेतावनी दी है। चीनी राष्ट्रपति ने यह चेतावनी उस समय पर दी है, जब देश के कई शहरों में बेहद सख्त लॉकडाउन लगाने से जनता में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। चीन के कई शहरों में जोरदार प्रदर्शन भी हुए हैं। चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में शी जिनपिंग ने जीरो कोविड नीति को पूरा समर्थन देने का ऐलान किया। साथ ही प्रण किया कि जो कोई भी देश की महामारी को रोकने वाली नीतियों के खिलाफ संदेह करता है या उन्हें नहीं मानता है, तब उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। चीन के शंघाई शहर में कोरोना लॉकडाउन के बाद जनता में भड़के गुस्से के बाद पहली बार शी जिनपिंग ने इस मुद्दे पर बयान दिया है।

चीनी मीडिया ने शी जिनपिंग के हवाले से कहा, हमारी बचाव और नियंत्रण की नीति पार्टी की प्रकृति और मिशन से निर्धारित होती है। हमारी नीतियां इतिहास की परीक्षा में खड़ी रह सकती हैं। हमारे कदम वैज्ञानिक और प्रभावी हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने वुहान को बचाने की जंग को जीता है। हम निश्चित रूप से शंघाई को जीतने की जंग को जीत कर दिखाएंगे। चीनी मामलों के विशेषज्ञों के हवाले से कहा कि जिनपिंग की यह चेतावनी दिखाती है, कि कम्युनिस्ट पार्टी के अंदर ही जीरो कोविड नीति को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय पार्टी लीडर शी जिनपिंग की नीति से खुश नहीं हैं। इस बीच कोरोना के वैश्विक मामले बढ़कर 51.6 करोड़ हो गए। वहीं इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 62.4 लाख हो गई। इस महामारी से बचाव की लिए अब तक टीके की 11.32 अरब डोज दी जा चुकी है।

वर्तमान वैश्विक मामले और मरने वालों की संख्या क्रमशः 516,026,519 और 6,247,076 है, जबकि दिए गए कुल टीके की कुल संख्या बढ़कर 11,325,868,591 हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, 81,692,541 मामलों और 996,946 मौतों के साथ अमेरिका अमेरिका सबसे अधिक प्रभावित देश बना हुआ है। भारत कोरोना मामलों की सूची में 43,091,393 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। 10 मिलियन से अधिक मामलों वाले अन्य देश ब्राजील (30,524,183), फ्रांस (29,040,908), जर्मनी (25,130,137), यूके (22,280,256), रूस (17,945,617), दक्षिण कोरिया (17,464,782), इटली (16,682,626), तुर्की (15,038,495), स्पेन (11,953,481) और वियतनाम (10,666,751) हैं। वहीं महामारी से जिन देशों में 1 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, उनमें ब्राजील (664,131), भारत (523,975), रूस (368,974), मैक्सिको (324,334), पेरू (212,891), यूके (176,626), इटली (164,179), इंडोनेशिया (156,340) फ्रांस (147,535), ईरान (141,145), कोलंबिया (139,801), जर्मनी (136,125), अर्जेंटीना (128,653), पोलैंड (116,099), स्पेन (104,668) और दक्षिण अफ्रीका (100,471) शामिल हैं।

टीएस तिरुमूर्ति ने नीदरलैंड के राजदूत को दिया करारा जबाव, बोले- 'हमें न बताएं, हम जानते हैं क्या करना है'

जिनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने ब्रिटेन में नीदरलैंड के राजदूत के बयान पर कड़ा प्रतिवाद करते हुए करारा जबाव दिया और कहा 'कृपया हमें सलाह नहीं दें, भारत जानता है कि उसे क्या करना है'। डच राजदूत ने कहा था कि भारत को यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेना चाहिए था। रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया था, जिसके तीन दिन बाद रूस ने यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों- डोनेत्स्क और लुहान्स्क को स्वतंत्र क्षेत्र के रूप में मान्यता दी। इस साल जनवरी के बाद से भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, महासभा और मानवाधिकार परिषद में उन प्रक्रियात्मक मतदान और मसौदा प्रस्तावों से दूरी बना रखी है, जिसमें यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण की निंदा की गई थी।

ग्रेट ब्रिटेन और नॉर्दर्न आयरलैंड के लिए नीदरलैंड के राजदूत कैरेल वान ओस्टरोम के एक ट्वीट के जवाब में तिरुमूर्ति ने कहा, 'कृपया हमें नहीं बताएं राजदूत। हम जानते हैं कि हमें क्या करना है।' ट्वीट में डच राजदूत ने तिरुमूर्ति से कहा, 'आपको महासभा (जीए) में शामिल होना चाहिए था। संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करें।' तिरुमूर्ति ने बुधवार को यूक्रेन मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में एक बयान दिया। उन्होंने ट्विटर पर अपने बयान को पोस्ट करते हुए कहा, आज दोपहर यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में मैंने बयान दिया जिस पर वान ओस्टरोम ने महासभा में भारत की गैर मौजूदगी को लेकर टिप्पणी की। भारत, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से रूस को निलंबित करने से संबंधित अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए अमेरिका के प्रस्ताव पर मतदान से गैर मौजूद रहा था। इस प्रस्ताव में आरोप लगाया गया था कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास के शहरों से पीछे हटने के दौरान नागरिकों की हत्या की।

यूक्रेन में मानवीय संकट के मुद्दे पर मार्च में यूक्रेन और उसके सहयोगियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए एक प्रस्ताव से भारत ने यह कहते हुए दूरी बनाई थी कि शत्रुता की समाप्ति और तत्काल मानवीय सहायता पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और मसौदा इन चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने संबंधी भारत की उम्मीदों को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता है। महासभा ने दो मार्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यूक्रेन की सीमाओं के भीतर उसकी संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए मतदान किया था और यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले की कड़ी निंदा की थी। भारत, 34 अन्य देशों के साथ प्रस्ताव से गैर मौजूद रहा था, जिसके पक्ष में 141 वोट पड़े थे और पांच सदस्य देशों ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया था।

इजरायल को लेकर रुसी विदेश मंत्री के बयान पर पुतिन ने मांगी माफी

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा यहूदियों को लेकर अपमानजनक बयान देने के बाद इजरायल और रूस के बीच संबंध बिगड़ रहे थे। हालांकि अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इजरायली पीएम नफ्ताली बेनेट से मामले को लेकर माफी मांगी है। बता दें कि लावरोव ने जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर को लेकर कहा था कि उसके अंदर यहूदी खून था। रूस के इसी बयान से इजरायल भड़क गया था।

रिपोर्ट बताती है कि लावरोव के विवादास्पद कमेंट के बाद रूस ने इजरायल से माफी मांग ली है, हालांकि रूसी स्टेटमेंट में माफी का कोई जिक्र नहीं था। इजरायली बयान में कहा गया है, कि पुतिन और बेनेट ने 5 मई को कॉल पर बात की और दक्षिणी यूक्रेन के पोर्टसिटी मारियुपोल में घिरे स्टील प्लांट से नागरिकों को निकालने की योजना पर भी चर्चा की।

बेनेट के ऑफिस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पुतिन ने यूनाइटेड नेशंस और रेड क्रॉस मानवीय गलियारे के माध्यम से घायल नागरिकों सहित नागरिकों को निकालने की इजाजत देने का वादा किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ एक कॉल के बाद बेनेट ने पुतिन से बात की है। बता दें कि इजरायली नेता संघर्ष में मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। रूसी विदेश मंत्री लावरोव के कमेंट्स के बाद यूक्रेन-रूस युद्ध में इजरायल के मध्यस्थ बने रहने को लेकर सवाल उठ रहे थे। उन्होंने हिटलर को यहूदी मूल का बताया था। लावरोव के उस कमेंट के बाद इजरायल ने आक्रोश जताकर इजरायल ने रूसी राजदूत को भी तलब किया था।

अमेरिका में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी, ऑस्ट्रेलिया पर भी पड़ सकता है असर

एडीलेड (ईएमएस)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के लीक हुए एक विचार मसौदे से खुलासा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट 1973 के रो बनाम वेड मामले में दिए गए ऐतिहासिक आदेश पर विराम लगाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें गर्भपात को संवैधानिक अधिकार बताया गया था। इस आदेश के खत्म होने के बाद अमेरिका में प्रजनन अधिकारों पर प्रभाव पड़ना तय है। इसके साथ ही दुनियाभर में इसके सांकेतिक प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा ऐसे किसी फैसले से राष्ट्रीय गर्भपात विरोधी आंदोलन को भी नई दिशा मिल सकती है। अमेरिका में गर्भपात एक नियमित और सुरक्षित स्वास्थ्य देखभाल प्रक्रिया है, जिसका उपयोग हर चार में से एक महिला करती है। साल 2021 में किए गए एक सर्वेक्षण में 80 प्रतिशत अमेरिकियों ने सभी या ज्यादातर मामलों में गर्भपात का समर्थन किया था। इसके अलावा 60 प्रतिशत लोगों ने रो बनाम वेड मामले में दिए गए फैसले की हिमायत की थी। यदि रो बनाम वेड मामले में दिए गए आदेश को खत्म कर दिया जाता है, तो अमेरिका के राज्यों को फिर से गर्भपात को लेकर नियम-कायदे लागू करने होंगे।

उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका के आधे राज्य गर्भपात पर तत्काल प्रतिबंध लगा देंगे। 16 राज्य और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया में गर्भपात अधिकारों के संरक्षण के लिए कानून हैं। गर्भपात के आलोचकों का मानना है कि इससे किसी चीज का अंत नहीं बल्कि शुरुआत होगी। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने का कानून बनाने को लेकर रणनीति बना रहे हैं, जिसमें देशभर में छह हफ्ते के बाद गर्भपात कराने पर पाबंदी होगी।

अमेरिका में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने का असर ऑस्ट्रेलिया में भी देखा जा सकता है, जिसे कभी-कभी अमेरिका का 51वां राज्य भी कहा जाता है। गर्भपात के मामले में हमारे यहां की राजनीति और कानून बिल्कुल अलग हैं। ऑस्ट्रेलियाई जनता किसी की पसंद की समर्थक मानी जाती है और दशकों से इसका यही मिजाज रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में गर्भपात को लेकर राज्य और क्षेत्रीय कानून हैं और 21वीं सदी में आम राय गर्भपात को कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित करने की रही है। सन 2021 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया गर्भपात को अपराध मुक्त बनाने वाला अंतिम क्षेत्र बन गया था। ऐसे में मोटे तौर पर देखा जाए तो गर्भपात को लेकर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया दोनों देश विपरीत दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं। एक ओर जहां अमेरिका में गर्भपात पर पाबंदी लगाने की तैयारी चल रही है, तो दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया इसे लेकर उदार रवैया अपना रहा है। ऐसे में आने वाले समय में इस बात पर सबकी नजर रहेगी कि अमेरिका में होने वाले बदलावों का ऑस्ट्रेलिया में क्या असर होगा।

प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में गुजरात को रोल मॉडल बनाने के लिए संकल्पबद्ध बनें : राज्यपाल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शुक्रवार को राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए आयोजित बैठक में ज़िला प्रशासन के अधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि गुजरात की पावन धरा को रासायनिक कृषि के ज़हर से मुक्त करके प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में गुजरात को देश का रोल मॉडल बनाने हेतु प्रशासन के सभी अधिकारी संकल्पबद्ध बनें। इस कॉन्फ्रेंस में राज्य के सभी ज़िलों के कृषि अधिकारी, ज़िला पशुपालन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी भी शामिल हुए। राज्यपाल ने इस वर्चुअल बैठक में कहा कि गुजरात सरकार के परिणामोन्मुखी प्रयत्नों तथा किसानों के पुरुषार्थ से प्राकृतिक खेती का जन अभियान ग्रामीण स्तर तक पहुँच चुका है। ऐसे में ज़िला प्रशासन के सहयोग से प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में देश भर को दिशा देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्राकृतिक खेती के जन अभियान को राष्ट्रव्यापी बनाने के संकल्प को गुजरात राज्य साकार कर सकता है। राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती के मिशन को राज्यव्यापी बनाने हेतु राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे गहन प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती के कारण जल, ज़मीन तथा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या में 24 प्रतिशत हिस्सा रासायनिक खेती का है। रसायनों से दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोग असाध्य रोगों के शिकार हो रहे हैं। केंद्र सरकार रासायनिक उर्वरकों के पीछे दी जाने वाली सब्सिडी के चलते 1,60,000 करोड़ रुपए का आर्थिक बोझ पड़ रहा है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी का ऑर्गेनिक कार्बन दिन-प्रतिदिन घटता जा रहा है और मिट्टी बंजर होती जा रही है। जैसे-जैसे कृषि लागत बढ़ती जा रही है और उत्पादन में गिरावट आती जा रही है, वैसे-वैसे किसानों की आर्थिक स्थिति भी खराब होती जा रही है। राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती को रासायनिक खेती का एक मज़बूत विकल्प बताते हुए कहा कि प्राकृतिक कृषि की लागत नगण्य है। इससे जल, ज़मीन तथा पर्यावरण की रक्षा होती है। देशी गायों का पालन पोषण-संवर्धन होता है तथा पानी की खपत को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और इससे किसानों को आर्थिक रूप से भी लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और उत्पादन कम नहीं होता है। राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती को लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक दैवीय कार्य बताया और उपस्थित ज़िला कलेक्टरों, ज़िला विकास अधिकारियों तथा संबंधित अधिकारियों को राज्य के प्राकृतिक कृषि जन अभियान में पूरी तरह से सहयोगी बनने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी ज़िले में जिन किसानों के पास देशी गायें है या जिन्हें देशी गायों के पालन के लिए प्रति माह 900 रुपए की सहायता मिल रही है, उनसे संपर्क कर यह पता लगाना चाहिए कि क्या वह प्राकृतिक खेती कर रहे हैं या नहीं और जो नहीं कर रहे हैं उन्हें प्राकृतिक खेती के लिए मार्गदर्शन देकर प्रेरित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए ज़िले में किसान सम्मेलन आयोजित करने के लिए अनुरोध किया। उन्होंने सभी ज़िलों में प्राकृतिक खेती जन अभियान की प्रगति के लिए प्रति माह संबंधित अधिकारियों द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित करने के लिए मार्गदर्शन दिया।

राज्यपाल ने राज्य की गौशाला एवं पिंजरापोल में जीवामृत-घन जीवामृत तैयार कर जरूरतमंद किसानों तक पहुँचाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्राकृतिक खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी अन्य किसानों तक पहुँचाकर प्रेरित करने तथा सभी ज़िलों में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए व्यवस्था करने के लिए ज़िले के अधिकारियों से अनुरोध किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी गाँवों में से 75 किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए अनुरोध किया है। ऐसे में गुजरात के सभी गाँवों के किसान प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हों इसलिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। राज्यपाल ने यह विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ज़िला प्रशासन के श्रेष्ठ पुरुषार्थ द्वारा गुजरात राज्य प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में देश भर में उदाहरण रूप कार्य करेगा।

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने ग्रीष्मा वेकरिया के परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी

- कहा- परिवार को न्याय दिलाने का संतोष है, लेकिन ग्रीष्मा के गंवाने से खुशी नहीं

सूरत (ईएमएस) सूरत कोर्ट ने गुरुवार को ग्रीष्मा वेकरिया के हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई थीं कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा था कि वह कल ग्रीष्मा के परिवार से मुलाकात करेंगें आज हर्ष संघवी ने ग्रीष्मा के परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दीं संघवी ने कहा कि ग्रीष्मा के परिवार को न्याय दिलाने का संतोष जरूर है, परंतु खुशी नहीं है, क्योंकि ग्रीष्मा को हमने गंवा दिया हैं बता दें कि गत 12 फरवरी 2022 को ग्रीष्मा वेकरिया की फेनिल गोयाणी ने सरेआम हत्या कर दी थीं ग्रीष्मा से फेनिल एकतरफा प्यार करता थीं ग्रीष्मा को बचाने का प्रयास कर रहे उसके भाई और चाचा को भी फेनिल ने घायल कर दिया थीं गुरुवार को सूरत कोर्ट ने इसे रेरेस्ट ऑफ रेर केस मानते हुए फेनिल गोयाणी को फांसी की सजा सुनाई थीं ग्रीष्मा की हत्या के बाद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने पीड़ित परिवार से वादा किया था कि वह जल्द से जल्द उन्हें दिलाएंगें वादा पूरा होने पर हर्ष संघवी ने शुक्रवार को ग्रीष्मा के घर पहुंचें ग्रीष्मा के घर पर आज प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया थीं जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थें हर्ष संघवी के पहुंचते ही ग्रीष्मा के परिवार की आंखे छलक आईं हर्ष संघवी भी भावुक हो गएं उसी दौरान कलेजे का टुकडा गीत सुनकर हर्ष संघवी की आंखों से भी आंसू बहने लगे और कुछ देर के लिए माहौल गमगीन हो गयीं हर्ष संघवी ने परिवार के आंसू पोंछे और उन्हें सांत्वना दीं संघवी ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिला इसका मुझे संतोष हैं लेकिन खुशी नहीं हैं इसकी वजह है ग्रीष्मा हमारे बीच नहीं हैं त्वरित कार्यवाही करने के लिए हर्ष संघवी ने सूरत पुलिस के प्रति भी आभार व्यक्त कियीं

रेलवे द्वारा जयपुर- इंदौर तथा रीवा-राजकोट के बीच चलाई जाएंगी परीक्षा स्पेशल ट्रेनें

नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ऊइ्ण) के द्वितीय चरण की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा जयपुर-इंदौर तथा रीवा-राजकोट के बीच परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार, वेरावल एवं बांद्रा टर्मिनस के बीच रविवार, 8 मई, 2022 को 10.45 बजे वेरावल से और सोमवार 9 मई, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 21.45 बजे एक परीक्षा विशेष चलाई जा रही है, जिसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः-

1) ट्रेन संख्या 09709/09710 जयपुर-इंदौर परीक्षा स्पेशल (2 फेरे)

ट्रेन नंबर 09709 जयपुर-इंदौर परीक्षा स्पेशल रविवार, 8 मई, 2022 को जयपुर से 07.25 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.30 बजे इंदौर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09710 इंदौर-जयपुर परीक्षा स्पेशल सोमवार, 9 मई, 2022 को इंदौर से 21.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.30 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, बयाना, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंज मंडी, नागदा और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

1) ट्रेन संख्या 02194/02193 रीवा-राजकोट परीक्षा स्पेशल (2 फेरे)

ट्रेन संख्या 02194 रीवा-राजकोट परीक्षा स्पेशल शनिवार, 7 मई, 2022 को रीवा से 22.40 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 00.45 बजे राजकोट पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 02193 राजकोट-रीवा परीक्षा स्पेशल सोमवार, 9 मई, 2022 को राजकोट से 23.05 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 00.20 बजे रीवा पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गडरवारा, पिपरिया, इटारसी, होशंगाबाद, भोपाल, संत हिरदाराम नगर, शुजालपुर, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, छायापुरी, आणंद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर और वांकानेर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09710/02193 की बुकिंग 7 मई, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेंगी और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोचों को छोड़कर सभी वर्गों के लिए पूरी तरह से आरक्षित रूप में चलेगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वेशवल में ३ बच्चों पश दीवाश गशी; एक की मौत, दो की हालत गंभीश

वेरावल, ०६ मई ।

गुजशत के वेशवल शहश में बुधवाश दोपहश को एक बंद मकान की दीवाश ढह गई थी । दीवाश के ठीक नीचे तीन बच्चे खेल शहे थे, जो मलबे की चपेट में आ गए थे । हादसे में एक बच्चे की मौत दो अन्य गंभीश रूप से घायल हो गए थे । विचलित कश देने वाले इस हादसे का अब ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सामने आया है । यह फुटेज भी दो दिन बाद इसलिए सामने आ पाया, क्योंकि कैमशे लगे मकान में भी दो दिनों से ताला लगा हुआ था ।

ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में देखा जा सकता है कि हादसे के वक्ततीनों बच्चे नीचे खेल शहे थे । इसी दौशान एकदम दीवाश ढह गई औश बच्चों को भागने तक का मौका नहीं मिला । आवाज सुनकश पड़ोसी दौड़े औश तीनों बच्चों को बाहश निकालकश अस्पताल पहुंचाया ।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही एक बच्चे धनंजय ईश्वश अंजनी (१२) की मौत हो गई थी । वहीं, दो बच्चों ईश्वश अंजनी (१२) औश हमेश अमशीक गोहेल (१२) की हालत अभी भी गंभीश है । दोनों का सिविल अस्पताल में इलाज चल शहा है ।

यह मकान कशीब ३५-४० साल पुशना है । मकान में शहने वाला पशिवाश कुछ दिनों से शहश से बाहश है । समय पश मशम्मत न कशवाने के चलते इतना बड़ा हादसा हो गया । स्थानीय लोगों का कहना है कि शहश के कई इलाकों में जीर्ण-शीर्ण मकान हादसों को न्योता दे शहे हैं । लेकिन, नगशपालिका कोई काईवाई नहीं कश शही । उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही गिश-सोमनाथ जिले में ३.२ तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए थे ।

गुजशत के प्रदेश सहमंत्री डॉ. शविंद्र पाटिल ने सौंपा इस्तीफा

सूरत, ०६ मई ।

सूश्त शहश में कांग्रेस को एक के बाद एक झटके लग शहे हैं । कांग्रेस नेता डॉ. शविंद्र पाटिल एक बाश फिश पुशनी पार्टी भाजपा में लौटने की तैयाशी में हैं । उन्होंने कांग्रेस के शहश प्रमुख नैषद देसाई को अपना इस्तीफा सौंप दिया है । बताया जा शहा है कि ८ मई को वह भाजपा में शामिल हो जाएंगे ।

शविंद्र पाटिल गुजशत प्रदेश कांग्रेस के सह मंत्री के साथ नवसाशी लोकसभा के प्रभाशी भी थे । डॉ. शविंद्र पाटिल पहले लिंबायत के वार्ड नंबश २४ में भाजपा के पार्षद शह चुके हैं । डॉ. शवींद्र पाटिल ने अपने पत्र में कांग्रेस में अपने सभी पदों से इस्तीफा देने का जिक्र किया है । कुछ दिनों पहले ही डॉ. शविंद्र पाटिल ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष औश सांसद सीआश पाटिल से मुलाकात की थी । इसके बाद कयास लगने लगे थे कि वह भाजपा में जा सकते हैं ।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस में शहते हुए वह लोगों के काम नहीं कशवा पा शहे हैं । कई लोग उनके पास काम लेकश आते हैं, लेकिन उन्हें निशश होकश लौटना पड़ता है । ८ मई को शाम ४ बजे भाजपा कार्यालय में वह भाजपा में शामिल हो जाएंगे ।

शहश के कांग्रेसी नेताओं के पलायन का फायदा आम आदमी पार्टी औश भाजपा को मिलने वाला है ।

डॉ. शविंद्र पाटिल ने बताया कि वर्ष २०१७ तक वह लगाताश २० सालों तक भाजपा से पार्षद शहे थे । वह मेयश के अलावा अलग-अलग कमेटियों के चेयशमैन भी शह चुके हैं । वर्ष २०१७ में शिवाजी महाशज के एक कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को आमंत्रित किया था, इसकी वजह से भाजपा ने उन्हें पार्टी से सस्पेंड कश दिया था । इसके बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कश ली थी । लगभग ५ वर्ष तक कांग्रेस में शहने के बाद अब शविंद्र पाटिल ने दोबाश भाजपा में वापसी का मन बना लिया है ।

अहमदाबाद मण्डल के पाटन रेलवे स्टेशन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज स्मारक का लोकार्पण

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर दिनांक 06 मई 2022 को पाटन रेलवे स्टेशन परिसर में 100 फीट राष्ट्रीय ध्वज स्मारक का लोकार्पण किया गया। मण्डल रेल प्रवक्ता, अहमदाबाद ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद भरतसिंह एस. डाभी द्वारा पाटन रेलवे स्टेशन परिसर में 100 फीट राष्ट्रीय ध्वज स्मारक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पाटन के विधायक किरीटकुमार सी. पटेल, पाटन नगर पालिका की अध्यक्षा श्रीमती स्मिता ए. पटेल तथा मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन, रेलवे अधिकारी व कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक व रेल यात्री भी उपस्थित थे। इन स्मारक ध्वज के लगाए जाने से रेलवे स्टेशन एवं पाटन शहर का गौरव बढ़ेगा तथा यह यात्रियों व नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की अटूट श्रद्धा, भावना तथा आस्था का प्रतीक बनेगा। ये स्मारक ध्वज चौबीस घंटे फहराएंगे जिससे आस पास के क्षेत्र व रेल परिसर का सौंदर्य भी बढ़ेगा।

वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स की इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) 11 मई को खुलेगी, प्राइस बैंड रु.310-326 प्रति इक्विटी शेयर पर निर्धारित

अहमदाबाद, 06 मई, 2022: गुजरात स्थित वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड (ठकंपनीठ) ने अपने पहले पब्लिक प्रस्ताव (घ्इ्ध) के लिए प्राइस बैंड रु.310 से रु.326 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी का घ्इ्ध बुधवार, 11 मई, 2022 को सब्स्क्रिप्शन के लिए खुलेगा और शुक्रवार, 13 मई, 2022 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 46 इक्विटी शेयरों और 46 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

यह IPO नए जारी 5,074,100 इक्विटी शेयरों के माध्यम से है।

वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड देश में बढ़ते स्टेनलेस-स्टील पाइप और ट्यूब निर्माता और निर्यातक में से एक है, जिसके पास दो व्यापक श्रेणियों में स्टेनलेस स्टील ट्यूबलर उत्पादों के निर्माण में छह साल से

अधिक का अनुभव है, अर्थात् सीमलेस ट्यूब/पाइप; और वेल्डेड ट्यूब/पाइप। कंपनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 20 से अधिक देशों में अपनी विस्तृत उत्पाद श्रृंखला की आपूर्ति करने का गर्व प्राप्त है।

रसायन, इंजीनियरिंग, उर्वरक, फार्मास्यूटिकल्स, बिजली, खाद्य प्रसंस्करण, कागज और तेल और गैस सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के लिए यह कंपनी उत्पादों की आपूर्ति भी करती है।

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 3093.31 मिलियन रुपये ऑपरेशन रेवन्यू पर इस कंपनी का शुद्ध लाभ 236.32 मिलियन रुपये था। 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त नौ महीनों के लिए इसका ऑपरेशन रेवन्यू रु. 2767.69 मिलियन और शुद्ध लाभ रु.235.95 मिलियन था।

इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर के परामर्श से कंपनी सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार एंकर निवेशकों की भागीदारी पर विचार कर सकती है। उनकी भागीदारी बोली/इश्यू खोलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले, यानी मंगलवार, 10 मई 2022 को होगी।

अहमदाबाद मण्डल के सिद्धपुर स्टेशन पर नव निर्मित बुकिंग कार्यालय का लोकार्पण

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर यात्रियों की मांग व सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए दिनांक 06 मई 2022 को सिद्धपुर स्टेशन पर नव निर्मित बुकिंग कार्यालय (आरक्षित एवं अनारक्षित) का लोकार्पण किया गया।

मण्डल रेल प्रवक्ता, अहमदाबाद ने जानकारी देते हुए बताया की, माननीय सांसद श्री भरतसिंहजी एस. डाभी द्वारा सिद्धपुर स्टेशन पर नव निर्मित बुकिंग कार्यालय (आरक्षित एवं अनारक्षित) का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक, सिद्धपुर श्री चंदनजी टी. ठाकोर, माननीय अध्यक्षा, नगरपालिका-सिद्धपुर श्रीमती कृपाबेन एम. आचार्य तथा मण्डल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन, रेलवे अधिकारी व कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक व रेल यात्री भी उपस्थित थे।

इस बुकिंग कार्यालय के लोकार्पण से यात्री अपनी आरक्षित व अनारक्षित टिकट सिद्धपुर रेलवे स्टेशन से ले सकेंगे। आरक्षित व अनारक्षित टिकटों का वितरण बुकिंग कार्यालय के लोकार्पण के साथ शुरू किया गया है।

क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवा बा जामनगर की किसी सीट से लड़ सकती हैं चुनाव

जामनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे 6 महीने का समय रह गया हैं भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत अन्य राजनीतिक दल चुनावी गोटियां बिछाने में व्यस्त हैं इस बीच खबर के है कि टीम इंडिया ऑलराउंड रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवा बा जामनगर की किसी एक सीट से चुनाव लड़ सकती हैं जामनगर में 7 विधानसभा सीटें है, जिसमें 4 पर भाजपा और 3 सीटें कांग्रेस के पास हैं रीवा बा पिछले काफी समय से भाजपा से जुड़ी हुई हैं और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कार्य कर रही हैं फिलहाल रीवा बा और उनकी टीम जामनगर जिले के 130 गांवों में घूम घूम कर सरकार की विभिन्न योजनाओं की लोगों की जानकारी दे रही हैं रीवा बा का कहना है कि अगर पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी वह उसे पूरा करेंगीं जिसके बाद से रीवा बा के चुनाव लड़ने की खबरों ने जोर पकड़ लिया हैं भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव में जामनगर की सभी 7 सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारियां शुरू कर दी हैं अगर भाजपा नो रिपिट थियरी अपनाती है तो जामनगर की 7 सीटों से दिग्गजों का पत्ता कटेगा और रीवा बा को अवसर मिल सकता हैं ऐसे में रीवा बा जामनगर की किसी एक सीट से भाजपा की उम्मीदवार हो सकती हैं

९ दिन बाद तीनों इंजीनियश ने किया सशेंडश

सूरत, ०६ मई ।

सूश्त शेल्वे स्टेशन पश १६ टन स्क्रैप को कबाड़ में बेचने के मामले में फशश तीनों इंजीनियशें ने बचने का कोई शस्ता नहीं मिलने पश आखिशकाश आशपीएफ क्राइम ब्रांच के सामने सशेंडश कश दिया । सशेंडश कशने से पहले इन तीनों ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत लेने, शिश्वत देने समेत हश हथकंडे अपनाए । इन्होंने बिचौलियों के माध्यम से आशपीएफ के पीआई को शिश्वत देने की कोशिश भी की । तीनों २५ अप्रैल से फशश थे ।

आशेपियों में सीनियश सेक्शन इंजीनियश संजय पांडेय औश सीनियश सेक्शन इंजीनियश पंकज औश निशंजन शामिल हैं । अब तक कुल १२ लोगों की गिशफ्ताशी हो चुकी है । इनमें तीन शेल्वे के ग्रुप डी के कर्मचाशी भी हैं, जिन्हें सस्पेंड कश दिया गया है । आशपीएफ ने बुधवाश को तीनों को कोर्ट में पेश कश ३ दिन की शिमांड पश लिया है ।

तीनों इंजीनियशें ने बिचौलियों के माध्यम से आशपीएफ के पीआई को १० लाख रुपए शिश्वत देने की कोशिश भी की थी । इस संबंध में बिचालियों का एक ऑडियो सामने आया है । इसमें शहुल नामक एक बिचौलिया शेल्वे कर्मचाशी से बात कश शहा है । शहुल इसी मामले में जेल में हैं । उसी ने बिचौलिए को आशपीएफ के पीआई से मामला शफा-दफा कशने का आश्वासन दिया था । ऑडियो में शहुल कह शहा है कि हमने मुंबई मुख्यालय तक बात कश ली है । आशपीएफ क्राइम ब्रांच के प्रभाशी पुष्पेंद्र कुमाश के साथ ही आशपीएफ प्रभाशी अनिल यादव को १० लाख की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने रुपए लेने से साफ मना कश दिया है । वे इस संदर्भ में बात कशने को भी तैयाश नहीं हैं ।

९ दिन बाद तीनों फशश इंजीनियशें ने सशेंडश कश दिया । हमने उन्हें कोर्ट में पेश कश तीन दिन की शिमांड लिया है । हम ये भी जांच कश शहे हैं कि स्क्रैप बेचने के तीन मामलों के अलावा इन्होंने औश कितनी धांधली की है । ये तीनों शहश से बाहश थे । एक ऑडियो वायशल हुआ है, जिसमें शहुल नाम का शेल्वे कर्मचाशी, जो जेल में है, आशपीएफ को पैसे देने की बात कह शहा है । हम इसकी बहुत बाशीकी से जांच कश शहे हैं ।

आशोपी सीनियश सेक्शन इंजीनियश (पीडब्ल्यूईआई) संजय पांडेय औश सीनियश सेक्शन इंजीनियश (आईओडब्ल्यू) पंकज औश निशंजन बुधवाश को दोपहश में सूश्त आशपीएफ कार्यालय में सशेंडश कशने पहुंचे तो आशपीएफ ने उन्हें हिशसत में ले लिया । तीनों इंजीनियशें ने खुद को निर्दोष बताया है ।

प्राकृतिक कृषि को मिशन मोड में प्रारंभ करने पूरी तरह से तैयार है गुजरात : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस प्राकृतिक खेती संवाद में शामिल हुए सभी ज़िला कलेक्टरों, ज़िला विकास अधिकारियों व खेतीबाड़ी-पशुपालन अधिकारियों का टीम वर्क से कार्यरत् रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस टीम वर्क से प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' मंत्र को साकार कर प्राकृतिक खेती से सर्वग्राही कृषि विकास हो सकेगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में शुक्रवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए ज़िला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थें मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा; इन तीन स्तंभों पर विकास की नींव को बुलंद बनाने की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती-रसायनमुक्त खेती से ज़मीन का स्वास्थ्य तथा ऐसी खेती के उत्पादों से मानव स्वास्थ्य सुधर सकता है, यह निश्चित है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री के विज़नरी नेतृत्व में गुजरात ने प्राकृतिक खेती का जो अभियान चलाया है, वह ग्लोबल वॉर्मिंग का उपोयग तथा जल-ज़मीन संरक्षण का एक विशिष्ट उदाहरण है। इस संदर्भ में भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश व दुनिया जो आज सोच रहे हैं, वह श्री नरेंद्रभाई अपनी दीर्घदृष्टि से पहले ही सोच लेते हैं। इसीलिए लोग अब नैचुरल फ़ार्मिंग के प्रति जागृत हुए, परंतु गुजरात ने तो इसे जनांदोलन बनाया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती का यह ऐसा बड़ा कार्य है, जो पूरी पीढ़ी याद रखेगी और हम वर्तमान तथा भावी पीढ़ी को स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा उपहार दे सकेंगे। उन्होंने सभी ज़िला अधिकारियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि ऐसे परिसंवाद इस प्रकार के कृषि हितकारी कार्यों को लोगों तक पहुँचाने का आधार बने हैं।

इस वीडियो कॉन्स परिसंवाद के आरंभ में कृषि मंत्री राघवजीभाई पटेल ने कहा कि राज्य में प्राकृतिक खेती को आदरणीय राज्यपालजी के मार्गदर्शन में निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 2,44,000 किसानों को मार्गदर्शन दिया गया है तथा देशी गाय आधारित खेती के लिए 213 करोड़ रुपए और डांग ज़िले के लिए 31 करोड़ रुपए सरकार ने आवंटित किए हैं।

मुख्य सचिव पंकज कुमार ने आश्वासन दिया कि सभी ज़िला प्रशासक राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के प्राकृतिक खेती का विस्तार बढ़ाने के आह्वान को स्वीकार करेंगे। अतिरिक्त मुख्य कृषि एवं सहकारिता सचिव मुकेश पुरी ने परिसंवाद का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए सभी का स्वागत किया।

'आत्मा' निदेशक बारोट, फाल्गुनीबेन आदि ने प्राकृतिक खेती, गोबर के उपलों पर आधारित खाद-बायोगैस से जुड़े प्रेज़ेंटेशन दिए। इस वीडियो कॉन्स परिसंवाद बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी तथा कृषि एवं पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी गांधीनगर से शामिल हुए। डांग-भावनगर आदि ज़िलों के कलेक्टरों ने अपने-अपने ज़िलों में प्राकृतिक खेती की गति-प्रगति के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

कोरोना से मौत के आंकड़े छिपाकर भाजपा सरकार ने दुनियाभर में भारत की किरकिरी कराई

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दावे के बाद गुजरात कांग्रेस का सरकार पर कड़ा प्रहार

अहमदाबाद (ईएमएस) विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दावा किया है कि भारत में कोरोना से 47 लाख लोगों की मौत हुई हैं डब्ल्यूएचओ के इस दावे के बाद कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया हैं गुजरात कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा और विधायक जिग्नेश मेवाणी ने आज पत्रकार परिषद में भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किएं उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में कोरोना से अब तक केवल 5.24 लाख लोगों की मौत हुई हैं जबकि डब्ल्यूएचओ ने दावा किया है कि कोरोना से भारत में 5.24 लाख नहीं बल्कि 47 लाख लोगों की मौत हुई हैं कोरोना के कारण विश्व की तीन में से एक मौत भारत में हुई हैं उन्होंने ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने कोरोना से मौत के आंकड़े छिपाकर दुनियाभर में भारत की किरकिरी कराई हैं चावडा और मेवाणी ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के दावे ने कोरोनाकाल में भाजपा सरकार की निष्फलता की पोल खोल दी हैं कोरोनाकाल में भाजपा सरकार नागरिकों को ऑक्सीजन, दवाईयां, इंजेक्शन समेत अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में नाकाम रही हैं गंगा जैसी पवित्र नदी में हजारों की संख्या शव तैर रहे थे, जिसकी वजह से विश्वभर में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा हैं उन्होंने कहा कि भारत सरकार के सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट में भी स्वीकार किया है कि 2020 में 45 प्रतिशत लोगों को मौत से पहले आवश्यक चिकित्सा सहायता नहीं मिलीं कांग्रेस नेता ने कहा कि एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार ने मध्य प्रदेश में कोरोना से हुई मौतों का आंकड़ा सामने रखा तो उसके ऑफीस पर केन्द्रीय एजेंसियों ने छापेमारी की थीं उन्होंने सवाल किया कि अब डब्ल्यूएचओ ने भारत में कोरोना से 47 लाख की मौत का दावा किया है, ऐसे में क्या केन्द्रीय एजंसियां डब्ल्यूएच की ऑफीस पर रेड करेंगीं कांग्रेस नेता ने कहा कि कोरोनाकाल में जब एक ओर रेमडेसिवीर जैसे इंजेक्शन पाने के लिए दिन-रात कतारों में खड़े रहते थे, तब गुजरात भाजपा प्रमुख हजारों की संख्या में इंजेक्शन का स्टॉक कर रहे थें राज्य के नागरिकों को इंजेक्शन नहीं मिल रहे थे, लेकिन गुजरात भाजपा प्रमुख के पास हजारों की संख्या में इंजेक्शन मौजूद थें आखिर इतनी बड़ी संख्या में इंजेक्शन गुजरात भाजपा प्रमुख के पास कैसे आए? डॉक्टर के प्रिस्क्रीप्शन और अन्य प्रमाण के बगैर किसी नागरिक के पास से अगर इंजेक्शन मिलता था तो उसके सरकार कार्यवाही करती थीं लेकिन गुजरात भाजपा प्रमुख के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गईं उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से गुजरात समेत देशभर में बड़ी संख्या लोग प्रभावित हुए हैं और लाखों लोगों की जान चली गईं रोजगार-धंधा ठप हुआ और लोगों को पलायन करना पड़ीं प्राइवेट अस्पतालों में उपचार के लिए हैसियत से अधिक खर्च करना पड़ा, जिसमें परिवारों की जिंदगीभर की कमाई खत्म हो गई और लोग कर्जदार हो गएं कोरोना महामारी की वजह से कई परिवारों की हालत दयनीय हो गई हैं ऐसी विषम परिस्थितियों में मृतकों के परिवारों को केवल रु. 50000 की सहायता नाकाफी हैं कांग्रेस नेता ने मांग की है कि गुजरात में कोरोना से मृतकों के सही आंकड़े जारी किए जाएं और मृतकों के परिजनों को रु. 4-4 लाख की सहायता दी जाएं कांग्रेस नेता सीजे चावडा ने कहा कि हमारी सरकार बनती है तो पहली कैबिनेट की बैठक में मृतकों के परिजनों को रु. 4-4 लाख की सहायता का फैसला किया जाएगीं

वडोदश में स्टूडेंट्स ने शेप न्यूज की पेपश कटिंग से देवी-देवताओं के आर्ट्स बनाए

वडोदश, ०६ मई ।

वडोदश शहश की महाशजा सयाजीशव यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स एक बाश फिश से विवादों में है । ताजा विवाद फैकल्टी के स्टूडेंट्स द्वाश हिंदू देवी-देवताओं के आपत्तिजनक आर्ट्स बनाने को लेकश है ।

छात्रों ने दुष्कर्म की खबशें के पेपश कटिंग से देवी-देवताओं के आर्ट्स बनाए ।

जैसे ही इसकी खबश फैली तो हिंदू संगठनों ने कैंपस में जमकश विशेध प्रदर्शन शुरू कश दिया । विवाद बढ़ता देख आर्ट्स फैकल्टी बंद कश दी गई ।

इससे पहले भी न्यूड पेंटिंग्स को लेकश फाइन आर्ट्स विवादों में शह चुका है ।

बढ़ते विवाद के बीच एबीवीपी की ओश से एक आवेदन पत्र सौंप कश आर्ट्स बनाने वाले स्टूडेंट्स को शेस्टीकेट कशने औश डीन को हटाने की मांग की गई है । हालात बिगड़ते देख आर्ट फैकल्टी के कैंपस में पुलिस बल तैनात कश दिया गया है ।

विशेध प्रदर्शन कशते हुए एबीवीपी के कार्यकर्ता सीधे डीन के ऑफिस में जा घुसे, जिन्हें पुलिस ने भाशी मशक्कत के बाद बाहश निकाला ।

प्रूडेंट कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज लिमिटेड का आरंभिक

06 मई, 2022- प्रूडेंट कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज लिमिटेड (कंपनी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 10 मई, 2022 को खुलेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली/प्रस्ताव अवधि बोली से एक कार्य दिवस पहले यानी 09 मई, 2022 से शुरू हो जाएगी।

ऑफर का प्राइस बैंड अंकित मूल्य रू.5 प्रति शेयर पर प्रति इक्विटी शेयर रू.595 से रू.630 तय किया गया है। इस ऑफर में कर्मचारी आरक्षण भाग (नीचे परिभाषित) में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों के लिए प्रस्ताव मूल्य पर 59 प्रति इक्विटी शेयर की कर्मचारी छूट शामिल है। न्यूनतम 23 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 23 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है।

ऑफर में अंकित मूल्य रू.5 प्रत्येक के 8,549,340 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिसमें वैगनर लिमिटेड द्वारा 8,281,340 इक्विटी शेयर और शिरीष पटेल द्वारा 268,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं (सेलिंग शेयरहोल्डर्स द्वारा और इस तरह के ऑफर को ऑफर फॉर सेल कहा जाता है)।

इस ऑफ़र में पात्र कर्मचारियों (कर्मचारी आरक्षण भाग) द्वारा सदस्यता के लिए कुल रू.65.00 मिलियन तक के इक्विटी शेयरों का आरक्षण शामिल है।

इस ऑफर में पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई, बीएसई - स्टॉक एक्सचेंज) दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड और इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95